सोमवार, 18 मई 2026

मौसम

तापमान 28 – 36
आर्द्रता 74%
सूर्योदय: 04:55 सूर्यास्त: 18:10

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष द्वितीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : कोशिश करें जो लोग आप विश्वास करते हैं उनका विश्वास न टूटे।

अदाणी समूह अगले कुछ वर्षों में बिहार में करेगा 50-60 हजार करोड़ रुपये का निवेश : गौतम अदाणी पृष्ठ 6

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

कोलकाता में बुलडोजर एक्शन के बाद मुस्लिम समुदाय का हिंसक प्रदर्शन

पथराव में तीन पुलिस कर्मी घायल, कई वाहनों में तोड़फोड़

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के तिलजला में हाल ही में हुई 'बुलडोजर कार्रवाई' के खिलाफ प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। पार्क सर्कस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया, जिसमें कम से कम तीन अधिकारी घायल हो गए और कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में लोग पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास इकट्ठा हुए और सड़कों को अवरुद्ध करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने 'गैरकानूनी रूप से जुटी भीड़' को तितर-बितर करने का प्रयास किया, तो उसमें शामिल कुछ लोग पथराव करने लगे, जिससे इलाके में अराजकता फैल गई। अधिकारियों के अनुसार, पथराव के

दौरान सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें केंद्रीय बलों को ले जाने वाले वाहन भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद बड़ी संख्या में कोलकाता पुलिस और केंद्रीय बलों के जवानों को इलाके में तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने हालात को और बिगड़ने से रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तिलजला और आसपास के इलाकों में गश्त लगाई। कोलकाता पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त आशीष बिस्वास ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने संवाददाता को बताया कि कुछ लोगों ने सड़क अवरुद्ध करने की कोशिश की। यह एक अवैध जमावड़ा था। पुलिस प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश कर रही थी, तभी उन्होंने पथराव शुरू कर दिया। हमारे तीन सहकर्मी घायल हो गए। बिस्वास ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में हमने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई की और हिंसा में शामिल सभी लोगों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। बिस्वास ने कहा कि पुलिस पर हमला किया गया। हम पता लगाएंगे कि इसके पीछे कौन है और उन सभी को गिरफ्तार करेंगे। सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जहां इस विरोध-प्रदर्शन को अवैध ढांचों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई से जुड़ा बताया, वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और सड़कों पर प्रार्थना करने पर कथित प्रतिबंधों को लेकर असंतोष ने भी तनाव बढ़ाया। हालांकि, पुलिस ने राजाबाजार की घटना और रविवार को पार्क सर्कस इलाके में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के बीच सीधे संबंध के कोई संकेत नहीं दिए। अधिकारियों ने हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या भी नहीं बताई, न ही इस बारे में कोई जानकारी दी कि क्या हिंसा के दौरान कोई प्रदर्शनकारी भी घायल हुआ।

सीएनजी कीमतों में एक रुपये की और बढ़ोतरी, दिल्ली में 80 रुपये किलोग्राम के पार पहुंचे दाम

नयी दिल्ली : वाहन ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली सीएनजी की कीमतों में रविवार को एक रुपये प्रति किलोग्राम की और बढ़ोतरी की गई। एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) के दाम बढ़ाए गए हैं। देश की प्रमुख शहर गैस वितरण कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लि. (आईजीएल) ने सीएनजी की कीमतों में एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई दरें लागू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत बढ़कर 80.09 रुपये प्रति किलो हो गई है। इससे पहले बृहस्पतिवार को कंपनी ने सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। इस तरह केवल कुछ दिन में सीएनजी कुल तीन रुपये महंगी हो गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि संशोधित कीमतें 17 मई सुबह छह बजे से लागू कर दी गई हैं। यह बढ़ोतरी कंपनी के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में प्रभावी होगी। हालांकि, राहत की बात यह है कि घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली गैस यानी पीएनजी की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत, नीदरलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया, 17 समझौतों पर हस्ताक्षर

द हेग : भारत और नीदरलैंड ने वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के बीच शनिवार को हुई वार्ता में रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और उभरती प्रौद्योगिकियों समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा और सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष तथा सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा देने के लिए ''रणनीतिक साझेदारी रूपरेखा'' शुरू करने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने हरित हाइड्रोजन विकास और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई।बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क को प्रभावित करने वाली बाधाओं पर चर्चा करते हुए नौवहन की स्वतंत्रता तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर जोर दिया। यूक्रेन संकट पर भी दोनों पक्षों ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से स्थायी एवं न्यायपूर्ण शांति का समर्थन किया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नीदरलैंड के बीच ऐतिहासिक संबंध और लोकतांत्रिक मूल्य दोनों देशों को मजबूत साझेदार बनाते हैं। उन्होंने नवाचार, निवेश, सतत विकास और रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की आवश्यकता पर बल दिया।नीदरलैंड यूरोप में भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। दोनों देशों के बीच 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 27.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि नीदरलैंड 55.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है।दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाने पर जोर दिया। नीदरलैंड ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के समर्थन को भी दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित

गोथेनबर्ग : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रविवार को स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया। यह स्वीडन द्वारा किसी राष्ट्राध्यक्ष को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' प्रधानमंत्री मोदी को मिला 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मित्रता की पुनः पुष्टि हुई। स्वीडन की क्राउन प्रिंसेज विक्टोरिया ने भारत-स्वीडन संबंधों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण योगदान और उनके दूरदर्शी नेतृत्व को मान्यता देते हुए उन्हें 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया।'' जायसवाल ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने यह सम्मान भारत और स्वीडन के बीच मौजूद ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत और स्वीडन के लोगों के बीच मौजूद गर्मजोशी और स्नेह का सम्मान बताया।'' आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' सम्मान की शुरुआत 1748 में की गई थी और इसका उद्देश्य स्वीडन के हितों के लिए किए गए व्यक्तिगत प्रयासों को मान्यता देना है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर 20,000 टन एलपीजी लेकर गुजरात पहुंचा जहाज

कांडला (गुजरात) : पश्चिम एशिया संकट के बीच कतर से 20,000 टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर चला एक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण पहुंच गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्शल आइलैंड के ध्वज वाला पोत 'एमवी सिमी' कतर से रवाना हुआ था और 13 मई को होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बाद शनिवार रात करीब 11:30 बजे कांडला बंदरगाह पर पहुंचा। अधिकारियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत से अबतक 13 भारतीय ध्वज वाले जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं। इनमें 12 एलपीजी टैंकर और एक कच्चा तेल ले जाने वाला जहाज शामिल है। ओमान तट के निकट स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग माना जाता है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण इस

समुद्री मार्ग पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई शुरू हुई, जिससे हाल के दशकों के सबसे बड़े ऊर्जा संकट में से एक पैदा हो गया। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (यूएनईसीओएसओसी) की ऊर्जा एवं आपूर्ति प्रवाह सुरक्षा पर आयोजित विशेष बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथनेनी हरीश ने कहा कि होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना, चालक दल की सुरक्षा को खतरे में डालना और नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचाना अस्वीकार्य है।

दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस के एसी डिब्बे में रतलाम में लगी आग, सभी 68 यात्री सुरक्षित

रतलाम/कोटा : तिरुवनंतपुरम से दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस के एक वातानुकूलित (एसी) डिब्बे में मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में रविवार सुबह आग लग गई। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोटा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के बी-1 डिब्बे में सुबह पांच बजकर 15 मिनट पर आग लगी जिसमें 68 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि यह घटना रेलवे के कोटा मंडल के अंतर्गत विक्रमगढ़ आलोट और लुनीरिछा स्टेशन के बीच हुई। प्रभावित कोच को तुरंत ट्रेन से अलग कर दिया गया और सुरक्षा के मद्देनजर 'ओवरहेड' तार से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। कुमार ने बताया कि इसके बाद आग पर काबू पा लिया गया। कोटा मंडल के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सभी यात्रियों को ट्रेन से उतार लिया गया और इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को राजस्थान के कोटा तक की यात्रा के लिए दूसरे डिब्बे में बैठाने की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन के पूर्वाह्न करीब 11 बजे कोटा स्टेशन पहुंचने की उम्मीद है, जहां एक अतिरिक्त कोच जोड़ा जाएगा ताकि सभी यात्री सुविधाजनक तरीके से सफर कर सकें। रतलाम के मंडल रेल प्रबंधक मौके पर पहुंच गए हैं और दुर्घटना राहत ट्रेन भी घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आज कैबिनेट बैठक, शुभेंदु सरकार ले सकती है कई बड़े निर्णय

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में नई सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सोमवार को मंत्रिमंडल की दूसरी बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें सरकारी कर्मचारियों के बकाया महंगाई भत्ता (डीए) और सातवें वेतन आयोग के गठन को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर महिलाओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, संस्थागत भ्रष्टाचार खत्म करने, प्रशासनिक फेरबदल व नई जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। सरकार पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी के लिए नई व्यवस्था लागू करने पर विचार कर सकती है। साथ ही, निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई औद्योगिक नीति से जुड़े प्रस्ताव भी बैठक में आ सकते हैं। बेरोजगार युवाओं और किसानों के लिए नई योजनाओं पर फैसला होने की भी संभावना जताई जा रही है।

नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने 32वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू : नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने रविवार को दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'माउंट एवरेस्ट' को 32वीं बार फतह करके इतिहास रच दिया। शेरपा ने एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। पर्यटन विभाग के अनुसार, 56 वर्षीय अनुभवी पर्वतारोही रविवार पूर्वाह्न 10 बजकर 12 मिनट पर 8,849 मीटर ऊंचे शिखर पर पहुंचे। विभाग ने बताया कि शेरपा '14 पीक्स एक्सपेडिशन' द्वारा संचालित एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे।

अंतरिक्ष कंपनी आईसीआईवाईई एशिया-प्रशांत का पहला उपग्रह विनिर्माण केंद्र भारत में बनाएगी

नयी दिल्ली : अंतरिक्ष आधारित खुफिया सेवाओं में वैश्विक स्तर की कंपनी आईसीईवाईई अगले एक वर्ष के भीतर भारत में अपनी पहली विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी। इस इकाई में रक्षा, निगरानी और पर्यावरणीय निगरानी के लिए छोटे उपग्रहों का निर्माण किया जाएगा। आईसीईवाईई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक राफेल मोद्रजेवस्की ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि यह इकाई एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए कंपनी का प्रमुख विनिर्माण केंद्र होगी। इससे यूरोप और अमेरिका में उसकी मौजूदा विनिर्माण गतिविधियों को भी सहयोग मिलेगा। कंपनी के उपग्रह समूह वर्तमान में रक्षा एवं खुफिया सेवाओं से लेकर बीमा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच आईसीईवाईई की प्रौद्योगिकी की मांग में तेजी आई है। उन्होंने कहा, भारत की जरूरतों और हमारी पेशकशों के बीच मजबूत सामंजस्य है। दुनिया भर में रक्षा खर्च बढ़ रहा है और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को तेजी से अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारत में भी यही दोनों रुझान दिखाई दे रहे हैं। हालिया संघर्षों से देशों को यह समझ में आया है कि अंतरिक्ष अब खुफिया और रक्षा का अगला बड़ा क्षेत्र बन चुका है। हम रक्षा और खुफिया सेवाओं में विशेषज्ञता रखते हैं, इसलिए भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है।

नीट-यूजी प्रश्नपत्र 'लीक' : सीबीआई ने लातूर में कोचिंग संस्थान के कार्यालय में तलाशी ली

लातूर : नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को महाराष्ट्र के लातूर शहर में कोचिंग संस्थान रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेज (आरसीसी) के मुख्य कार्यालय में छापेमारी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई अधिकारियों ने लातूर के शिवनगर इलाके में स्थित आरसीसी कार्यालय में दोपहर में तलाशी शुरू की, जो देर शाम तक जारी रही। इससे पहले, सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार को आरसीसी के संस्थापक शिवराज मोटेगांवकर से शिवनगर स्थित उनके आवास पर करीब आठ घंटे तक पूछताछ की थी। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई को संदेह है कि लातूर के कुछ डॉक्टरों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी), 2026 के कथित तौर पर लीक हुए प्रश्नपत्र को खरीदा था। सीबीआई की एक टीम पिछले चार दिन से लातूर में डेरा डाले हुए है। केंद्रीय एजेंसी ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच के लिए कई टीम गठित की हैं।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

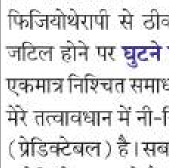

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए मैं 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632
e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

खाड़ी की तपिश से सुलगता तेल, झुलसती जिंदगियां

बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों से पता चला कि एक माह के भीतर ही थोक महंगाई दर दुगनी हो गई है। जो कि पिछले 42 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुंची है। अब शुक्रवार को पेट्रोल व डीजल तथा सीएनजी के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को व्यथित कर दिया। जाहिर है पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से न केवल यातायात महंगा हो जाता है बल्कि मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज के दामों में उछाल आ जाता है। वहीं रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियां दुहाई दे रही हैं कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि से उनकी उत्पादन लागत में दस से बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। फलतः इन कंपनियों ने छूट व प्रचार खर्च में कटौती करके भंडारण क्षमता व आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है। अतः देश की एफएमसीजी रोजमर्रा के सामान की लागत बढ़ने व मुनाफे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये चरणबद्ध तरीके से वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह भी हकीकत है कि पिछली तिमाही में ये एफएमसीजी पहले ही तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि वस्तुओं की कीमतों में कर चुकी हैं। फलतः आम उपभोक्ता को अभी और महंगाई को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि रुपये के गिरते मूल्य ने भी कीमतें बढ़ाने का दबाव बनाया है। कंपनियां अपना मुनाफा बनाये रखने के लिये कीमतें बढ़ाने और पैकेटबंद उत्पादों की मात्रा घटाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। आशंका जतायी जा रही है कि पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये की वृद्धि के बाद टेलीकॉम कंपनियां रिचार्ज प्लान बढ़ा सकती हैं। उनका दावा है कि मोबाइल टॉवर को चलाने में आने वाला 40 फीसदी खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली पर होता है। यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा सकता है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां कह रही हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद उन्होंने मामूली वृद्धि पेट्रोल व डीजल के दामों में की है।

निश्चित रूप से पश्चिम एशिया संकट के चलते उपजे हालात ने बताया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की खपत को कम करने के आह्वान के कुछ दिन बाद ही पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी चार साल से अधिक समय में पहली बार की गई है। निस्संदेह, खाड़ी संकट से उपजे हालात में कीमतों में यह वृद्धि अनिवार्य लग रही थी। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के चलते ही सरकार ने यह कदम देर से उठाया है। चुनाव परिणाम आने के बाद जब हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन खपत में कटौती करने का आगाह किया था, तो संकेत माना गया कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए मूल्य वृद्धि का बचाव किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेलर्स रोजाना एक हजार करोड़ का नुकसान उठा रहे हैं,जबकि कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल थी। निस्संदेह, पहले ही मुद्रास्फीति व स्थिर आय से जूझ रहे नागरिकों को सरकार की यह दलील गले नहीं उतरेगी। वैसे भी चुनावी रणनीति के मद्देनजर संचालित आर्थिक निर्णय सार्वजनिक विश्वास में कमी लाते हैं। जाहिर बात है कि करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवार, किसान व छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए बढ़ी ईंधन दरें जल्दी ही भोजन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं को महंगा बना देती हैं। फिक्र की बात यह है कि भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता अर्थव्यवस्था को भू राजनीतिक झटकों के प्रति संवेदनशील बना देती है। रूस से मिलने वाला सस्ता कच्चा तेल हमें अस्थायी राहत ही प्रदान करता है। लेकिन यह मार्ग भी प्रतिबंधों, शिपिंग रुकावटों और कूटनीतिक दबावों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। यह संकट भारत को दीर्घकालीन ऊर्जा रणनीति बनाने के लिये बाध्य करता है। हमारी प्राथमिकता सार्वजनिक परिवहन विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग व नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने की होनी चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 18 मई, सोमवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष द्वितीया, 17:55 तक, नक्षत्र : रोहिणी, 11:32 तक, योग : सुकर्माण, 21:47 तक, सूर्योदय: 04:55, सूर्यास्त: 18:10, चन्द्रोदय : 06:33, चन्द्रास्त: 20:47, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 07:15 से 08:54

राशिफल

मेष : आज भागदौड़ और तनाव आपको थोड़ा थका सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। किसी पुराने रोग के दोबारा उभरने से परेशानी होगी, इसलिए सेहत को नजरअंदाज न करें।

वृष : आज का दिन खुशियों, मौज-मस्ती और नई शुरुआतों से भरा रहेगा। आपकी क्रिएटिव सोच लोगों को आकर्षित करेगी और नए दोस्त भी बन सकते हैं।

मिथुन : आज कुछ नया करने की ऊर्जा आपके अंदर जोश भर देगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना जरूरी होगा, नहीं तो छोटी बात बड़ा विवाद बन सकती है।

कर्क : आज सुख-सुविधाओं और खुशियों में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। परिवार के लोग आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और दूर रहने वाले रिश्तेदार से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह : आज किस्मत आपके पक्ष में रह सकती है और मनचाहा लाभ मिलने के संकेत हैं। सेहत पर ध्यान देना जरूरी होगा, वहीं विद्यार्थियों को पढ़ाई में अनुशासन बनाए रखना होगा।

कन्या : आज मन की उलझनों को मां के साथ साझा करने से राहत मिलेगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि दुर्घटना का योग बन रहा है।

तुला : आज घर-परिवार में खुशियों और शुभ कार्यों का माहौल बना रहेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और रुका हुआ धन मिलने से राहत महसूस होगी। विरोधी परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक : आज आपके दिमाग में नए और शानदार आइडिया जन्म ले सकते हैं, जो बिजनेस में बड़ा फायदा दिला सकते हैं। विदेश से जुड़े व्यापार में अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

धनु : आज का दिन मिला-जुला असर देने वाला रहेगा। जीवनसाथी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए रिश्तों में प्यार और समझदारी बनाए रखें। आय के मामलों में सतर्क रहना जरूरी होगा।

मकर : आज सकारात्मक बदलाव आपकी जिंदगी में नई ऊर्जा भर सकते हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। आपकी मेहनत रुके हुए कामों को पूरा करने में मदद करेगी।

कुम्भ : आज का दिन उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ सकता है। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगी।

मीन : आज बिजनेस में कुछ चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से काम लेने पर रास्ते निकल आएंगे। दूसरों की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें।

उर्वरक उपयोग में 50 प्रतिशत कमी से खेती-किसानी में आएगा क्रान्तिकारी बदलाव

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों देशवासियों से किये गए सात आग्रहों में से एक आग्रह रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का आग्रह है। इसमें कोई दो राय नहीं कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुध उपयोग के दुष्परिणामों को लेकर गत कई सालों से गंभीर आग्रह किये जा रहे हैं। प्रति हैक्टेयर कृषि उत्पादन सेचुरेशन स्तर पर पहुंच गया है तो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंच रहा है, मिट्टी और जल प्रदूषण उच्च स्तर पर पहुंच गया है तो रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से केंसर जैसी बीमारियों का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। होना तो यहां तक लग गया है कि अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन वाले किसान और प्रदेश अपने दैनिक उपभोग के लिए जैविक खाद्यान्न या अन्य प्रदेशों के खाद्यान्न के उपयोग पर जोर देने लगे हैं। इसके साथ ही यह भी एक तथ्य है कि देश में लाख प्रयासों के बावजूद रासायनिक उर्वरकों का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशों से 979 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात में से ईंधन के बाद बहुत अधिक आयात राशि उर्वरकों पर भी व्यय होती है। देश में करीब 600 लाख टन उर्वरकों की खपत है तो 2030 तक 700 से 800 लाख टन तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह है कि रासायनिक उर्वरकों में देश की मांग के शत-प्रतिशत पोटाश की विदेषों से आयात पर निर्भरता है तो फास्फेट के तकरीबन 90 प्रतिशत और यूरिया के करीब 25 प्रतिशत तक आयात पर निर्भरता है। मजे की बात यह भी है कि यूरिया की आयात निर्भरता तो करीब 25 प्रतिशत तक है पर यूरिया उत्पादन के लिए काम में आने वाली प्राकृतिक गैस की जरुरत करीब 80 प्रतिशत तक विदेशों से आयात से ही संभव हो पाती है। एक मोटे अनुमान के अनुसार रासायनिक उर्वरकों पर दो लाख करोड़ के आसपास अनुदान राषि दी जा रही है।

प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कटौती का आग्रह किया है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने के लिए जहां एक और जैविक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है वहीं पीएम प्रणाम योजना में राज्यों को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री का आग्रह है कि 10 प्रतिशत फर्मेंटेड खाद का उपयोग बढ़ाकर किसान बड़ा सहयोग दे सकते हैं। जून 2023 में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने प्रोत्साहन योजना लागू की है। योजना के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के तीन साल के औसत उपयोग से खपत कम करने पर अनुदान के रुप में बचाई गई राशि की 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकारों को प्रोत्साहन के रुप में देने की व्यवस्था की गई है। इसमें से 70 प्रतिशत राशि गांवों में वैकल्पिक उर्वरक यानी जैविक खाद उत्पादन व तकनीक के विस्तार पर व्यय करने पर जोर दिया जा रहा है वहीं 30 प्रतिशत राशि रासायनिक उर्वरकों की खपत करने के लिए काश्तकारों को जागरुक करने, अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने आदि पर व्यय करने का प्रावधान है। विषेषज्ञों का मानना है कि फर्मेंटेड खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की खपत में अच्छी खासा कमी लाई जा सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फर्मेंटेड खाद मिलाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री बीजेयूआर कार्यक्रम के तहत मिट्टी की जांच का जो व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है उसका उद्देश्य भी यही है कि खेत की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। अंधाधूंध उपयोग को रोक कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाएं रखना है।

एक बात तो लगभग सबके संज्ञान में आ गई है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाउ क्षमता प्रभावित हो रही है तो भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भू जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है। जैविक विविधता प्रभावित हो रही है तो खेती के सहायक कीटनाशकों का अस्तित्व ही समाप्त होने को है। इसके अलावा खाद्यान्नों के विषैला होने व इन खाद्यान्नों के उपयोग से बीमारियों का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इतना सबकुछ होने के बावजूद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी ही हो रही है। 2025-26 के आंकड़ों की ही बात करें तो यूरिया में 138 प्रतिशत, डीएपी के उपयोग में 94 प्रतिशत और एनपीके के उपयोग में 83 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में प्रधानमंत्री के आग्रह के निहितार्थ को समझना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आग्रह इस मायने में बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि सरकार देश की जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रही। अपितु गंभीर चिंतन की बात यह है कि हम परंपरागत खेती या जैविक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ी और जल-मिट्टी, वायु के प्रदूषण को कम करने में भागीदार बन सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत फर्मिंटेड खाद मिलाने से ही बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। 50 प्रतिशत तक आयात निर्भरता कम की जा सकती है। आज हम रुस, ओमान, सउदी अरब, मोरक्को, चीन आदि पर उर्वरकों के आयात के लिए निर्भर है। और अरबो डालर आयात पर खर्च करके भी प्रदूषण और सेहत से खिलवाड़ पा रहे हैं।

हांलाकि आज अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आसन्न संकट को देखते हुए दूरदृष्टि पूर्ण 7 आग्रहों को प्रतिपक्ष आलोचना के स्तर पर ले रहा है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम प्रणाम कार्यक्रम जून 23 से चलाया जा रहा है तो पीएमबीजेयूआर कार्यक्रम जो कि खेत की मिट्टी की जांच से जुड़ा कार्यक्रम है वर्षो से जारी है। इसके साथ ही आज कृषि वैज्ञानिक बार बार आग्रह कर रहे हैं कि उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग घातक स्तर पर पहुंच रहा है। पंजाब और उससे सटते इलाकों में खेती के हालात बयां कर रहे हैं। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत कमी के आग्रह को सकारात्मक लिया जाना चाहिए। इस बहाने हमें खेती को सही दिशा देने का अवसर मिला है। खरीफ की बुवाई में ही इस पर अमल किया जा सकता है। खेती और पर्यावरण से जुड़े सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को प्रोएक्टिव रोल अपनाते हुए आगे आना होगा। यह एक अवसर मिला है और इस अवसर का सकारात्मक उपयोग को देश की खेती किसानी को नई दिशा दी जा सकती है।

बहुपक्षवाद का संकट और डब्लूटीओ में सुधार की अनिवार्यता

श्री राजेश अग्रवाल

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली औचित्य के गहरे संकट का सामना कर रही है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी की शुरुआत में, विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) वैश्विक व्यापार का केंद्रीय स्तंभ था, जो नियम-आधारित व्यवस्था की पेशकश करने के साथ तटस्थता, पूर्वानुमेयता और निष्प-क्षता का वादा करता था। हालांकि आज, ये वादे काफी कमजोर प्रतीत होते हैं। डब्लूटीओ में विश्वास की कमी, किसी एक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संरचनात्मक असंतुलन, असमान प्रवर्तन और वैश्विक आर्थिक शक्ति के बदलते स्वरुप के संचयी प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है।

इस संकट के मूल में है - वैश्विक उत्प-ादन का अत्यधिक केंद्रीकरण और आक्रामक व्यापार प्रथाओं की निरंतरता। समय के साथ, आपूर्ति श्रृंखलाएँ परस्पर अत्यधिक निर्भर हो गई हैं और उनका वितरण भी असमान है, जहाँ कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अनुपात से कई गुनी ज्यादा नियंत्रण रखती हैं। हालांकि, इस केंद्रीकरण ने कुछ मामलों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशल बना दिया है, लेकिन इसने उन्हें काफी हद तक कमजोर भी बना दिया। व्यवधान-चाहे भू-राजनीतिक हो, आर्थिक हो, या पर्यावरण-संबंधी हों-अब प्रणा-लीगत नतीजे लेकर आते हैं। परिणामस्वरूप, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी अब केवल एक आर्थिक चिंता के रूप में नहीं देखी जाती; इसे अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक अस्तित्व के मामले के तौर पर देखा जाने लगा है।

धारणा में हुए बदलाव ने नीतिगत प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी लहर को जन्म दिया है, जो बहुपक्षवाद के मौलिक सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। देश घरेलू हितों की रक्षा के लिए संरक्षण उपायों, आक्रामक औद्योगिक नीतियों और निर्यात नियंत्रण को अपना रहे हैं। हालांकि ऐसी रणनीतियाँ अल्पकालिक सहनशीलता ला सकती हैं, लेकिन वे डब्लूटीओ की सहयोग भावना और कानूनी रूपरेखा को अक्सर कमजोर कर देती हैं। तकनीकी अवरोध, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक प्रभाव के उपकरण के रूप में बाज़ार पहुंच का बढ़ता उपयोग एक व्यापक परिवर्तन का संकेत देता है: व्यापार अब केवल आर्थिक लेन-देन ही नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के बारे में है।

डब्लूटीओ सदस्यों के बीच एक व्यापक रूप से मान्य दृष्टिकोण यह है कि संगठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को उनके प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह ठहराने में अक्षम रहा है और इसने वर्तमान स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब नियम असमान रूप से लागू किए जाते हैं या प्रवर्तन तंत्र विफल हो जाते हैं, तो प्रणाली में विश्वास कमजोर हो जाता है। कई देशों में, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों में, यह धारणा मजबूत हुई है कि डब्लूटीओ अब एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता। इसके बजाय, इसे एक ऐसे संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति अनुकूल होने के लिए संघर्ष कर रहा है।

इस संदर्भ में, सुधार प्रयासों का केंद्रीय उद्देश्य डब्लूटीओ की विश्वसनीयता को बहाल करना हो गया है। यद्यपि डब्लूटीओ सुधार की आवश्यकता पर सदस्यों के बीच व्यापक सहमति है, फिर भी इसे हासिल करने के तरीके पर सहमति न के बराबर है। सुधार की संरचना और विषय वस्तु पर बहसें लगातार विवादास्पद होती जा रही हैं। याओंडे के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, सदस्यों ने डब्लूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जिनमें निष्पक्षता, पारदर्शिता, समावेश और सहमति-आधारित निर्णय शामिल हैं। इन सिद्धांतों ने लंबे समय से डब्लूटीओ को अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग बनाये रखा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सदस्य, चाहे उनका आकार या उनकी आर्थिक शक्ति कुछ भी हो, वैश्विक व्यापार नियमों को अंतिम रूप देने में अपनी बात रख सकें। हालांकि, इन सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को, विशेष रूप से बहुपक्षीय समझौतों से जुड़ी चर्चाओं में, समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ये समझौते डब्लूटीओ सदस्यों के उपसमूहों के बीच बातचीत के बाद तैयार किए गए हैं। इन्हें कई देश-विशेष रूप से वैश्विक उत्तर के देश -सहमति-आधारित नियम निर्माण की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान मानते हैं। ऐसी सदस्यता के लिए, जहां विकास स्तर और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में व्यापक असमानताएँ मौजूद हैं, जटिल मुद्दों पर सर्वसम्मति प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। बहुपक्षीय समझौते आगे बढ़ने का एक तरीका प्रदान करते हैं, जिससे इच्छुक प्रतिभागी नए नियम स्थापित कर सकते हैं, इसमें उन देशों को रुकावट नहीं माना जाता, जो प्रतिबद्ध होने के लिए अभी तैयार नहीं हैं, ऐसी ही प्रणाली डब्लूटीओ से पहले गैट, 1947 (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के तहत अस्तित्व में थी।

इस मुद्दे पर भारत का रुख एक सावधानीपूर्वक तैयार संतुलनकारी कार्य को दर्शाता है। नियम-निर्माण को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय समझौतों की क्षमता को स्वीकार करते हुए भारत ने लगातार मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि ऐसे समझौतों द्वारा बहुपक्षीय प्रणाली को कमजोर न होना सुनिश्चित हो सके। बहुपक्षीय समझौतों को प्रमुख डब्लूटीओ सिद्धांतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए, मौजूदा कार्यादेश को कमजोर नहीं करना चाहिए या गैर-प्रतिभागी सदस्यों के लिए नुकसानदेह नहीं होना चाहिए। उन्हें बहुपक्षीय रूपरेखा की जगह लेने के बजाय एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए। भारत एक तदर्थ, समझौता-दर-समझौता मॉडल के बजाय बहुपक्षीय समझौतों को डब्लूटीओ संरचना में समेकित करने के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

सुधार बहस का एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा, संगठन के पिछले कार्यादेशों को पूरा करने में विफलता से संबंधित है। यह कई विकासशील देशों के लिए असंतोष का एक प्रमुख कारण रहा है। ये अधूरी प्रतिबद्धताएं-जिनमें कृषि, विकास और विशेष व्यवहार प्रावधानों जैसे क्षेत्र शामिल हैं -केवल नियम बनाने की कमियों को ही नहीं दर्शातीं, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में लंबे समय से मौजूद असमानताओं को दूर करने के अवसरों की चूक को भी उजागर करती हैं।

विशेष रूप से कृषि, इन असंतुलनों की गंभीरता को दर्शाती है। विकसित देशों ने अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देने में महत्वपूर्ण लचीलापन बनाए रखा है, जिससे उनके किसान वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं। वहीं, विकासशील देशों को अपने किसानों को दिए जाने वाले समर्थन के प्रकारों और स्तरों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। यह विषमता संरचनात्मक असुविधाओं को बनाए रखती है, वैश्विक दक्षिण में लाखों लोगों की आजीविका को कमजोर करती है और वैश्विक व्यापार प्रवाह को विकृत करती है।

कृषि से परे, ऐसी न्यायसंगत रूपरेखाओं की मांग बढ़ रही है, जो प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और क्षमता निर्माण को नियंत्रित करती हैं। तेज़ तकनीकी प्रगति के युग में ज्ञान, नवाचार और ज्ञान-कौशल तक पहुँच आर्थिक विकास का एक प्रमुख निर्धारक बन गया है। फिर भी, मौजूदा नियम अक्सर मौजूदा पदानुक्रम को मजबूत करते हैं, जिससे विकासशील देशों की मूल्य श्रृंखला में ऊपरी पायदान पर चढ़ने की क्षमता सीमित हो जाती है। अधिक समावेशी और संतुलित व्यापार प्रणाली बनाने के लिए इन असमताओं को दूर करना आवश्यक है।

विशेष और विभेदपूर्ण व्यवहार (एस एंड डीटी) पर बहस डब्लूटीओ सुधार की जटिलताओं को और अधिक उजागर करती है। एस एंड डीटी मूल रूप से सबसे कम विकसित और विकासशील देशों को गैर-पारस्परिक बाजार पहुँच और व्यापार प्रतिबद्धताओं को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो अब एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है।

इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है-ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है।

अंततः, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का भविष्य इसके सदस्यों की प्रतिस्पर्धी हितों को सुलझाने और साझा संस्थानों में विश्वास पुनः स्थापित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन हित इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक कमजोर डब्लूटीओ से एक विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म देने का खतरा है, जो एकपक्षीय और शक्ति-आधारित सौदेबाज़ी पर आधारित हो सकती है। इसके विपरीत, सुधार किये गये और फिर से सशक्त बनाये गये डब्लूटीओ में एक अधिक सुदृढ़, समावेशी और सहयोगात्मक वैश्विक व्यवस्था को आधार प्रदान करने की क्षमता है।

भारत की व्यापक व्यापार रणनीति, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समझौतों के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे व्यापार नीति जटिल होती जा रही है-जिसमें नियामक मानक, डिजिटल शासन और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण शामिल है-समान विचारधारा वाले भागीदारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूत आर्थिक एकीकरण के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरे हैं। हालांकि, वर्तमान में जारी चर्चाओं में भारत की रचनात्मक भागीदारी इस कार्य की तात्कालिकता और जटिलता, दोनों को प्रतिबिंबित करती है। संतुलित, समावेशी और भविष्य-केंद्रित सुधारों को समर्थन देकर, भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि डब्लूटीओ तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बना रहे-एक ऐसा संस्थान, जो न केवल व्यापार को प्रबंधित करने में सक्षम हो, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक आर्थिक भविष्य को आकार देने की भी क्षमता रखता हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्लूटीओ व्यवसायों को निश्चितता, पूर्वानुमेयता, समावेशिता, समानता और सरलता प्रदान करता है, यानि नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था।-व्यक्त किए गए विचार निजी हैं

लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं

वर्ग पहेली नं. 3442

1		2	3	■	4		5	■	6
	■	7				■	8		
9	10			■	11	12		■	
13		■	■	14	■		■	15	
■	16		17		■	18	19		■
20		■	21		22	■	23		24
	■	■		■	25	26	■	■	
27	28			■	29		■	30	
■		■	31		■	32			■

बायें से दायें :- 2) बैठक; अधिवेशन, 4) दिमाग़, 7) मज़ार, 8) षंड, 9) जानकारी, 11) मौखिक, 13) पहरा चौकी, 15) पर्यन्त, 16) फुहारना, 18) एक जलचर, 20) पातकी, 21) कुम्हला जाना *(फूल-पौधे)*, 23) विषैला, 25) मुँह, 27) हाथापाई, 29) घोंघे, शंख आदि की जाति का एक जलचर, 30) एक आँखवाला, 31) मत, 32) काँटा.

ऊपर से नीचे :- 1) इच्छित; निरंकुश, 2) शोकाघात, 3) एशिया एक देश, 4) निरा; केवल, 5) मादा 6) दुःख- दायक, 10) बच्चों का एक खेल, 12) पति; प्रेमी, 14) एक फल, 15) भाँति, 17) कम से कम, 19) लंबाई का एक पुराना माप, 20) एक पहनावा, 22) बेइज़्ज़त; बदनामी; निंदा, 24) मुग्ध होना, 26) माल की बिक्री, 28) देश, 30) एक मेवा.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

नि	रु	पा	य	■	त	म	त	मा	ना
क	■	■	मु	सी	ब	त	■	फ़ि	■
ट	क	रा	ना	■	क्रा	■	ब	या	ना
■	ट	■	■	क़	■	रा	हु	■	जु
■	क	डु	वा	ह	ट	■	त	पा	क
आ	टा	■	ह	र	क	त	■	ग	■
ज	ना	ज़ा	■	■	सा	य	कि	ल	■
क	■	मि	सा	इ	ल	■	रा	■	लो
ल	■	नी	■	श्क़	■	या	या	व	री

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3400

				6				
6		1	2		7		9	
	5				9			
3		2				5		4
				7				6
8	7			1				
5	9							
			6	3				1
						4		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3399 का उत्तर

7	5	8	2	3	1	4	9	6
1	4	3	9	6	5	2	8	7
9	2	6	4	7	8	5	3	1
6	7	2	3	4	9	8	1	5
3	8	4	1	5	6	9	7	2
5	1	9	7	8	2	3	6	4
2	3	7	6	9	4	1	5	8
4	9	5	8	1	7	6	2	3
8	6	1	5	2	3	7	4	9

समिक भट्टाचार्य ने अभिषेक बनर्जी को फलता में चुनाव प्रचार का दिया न्योता

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने 21 मई को फलता विधानसभा क्षेत्र में होने वाले पुनर्मतदान से पहले रविवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस को राज्य की जनता ने निर्वासन में भेज दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी पर तंज कसते हुए उन्हें फलता में चुनाव प्रचार के लिए आमंत्रित किया। इस दिन, भाजपा उम्मीदवार देबांशु पांडा के लिए प्रचार करते हुए, भट्टाचार्य ने तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की चुनाव प्रचार में अनुपस्थिति पर सवाल उठाया।

भट्टाचार्य ने दावा किया कि पार्टी की चुनावी हार के बाद तृणमूल नेतृत्व गायब हो गया है और आरोप लगाया कि जो लोग कभी आक्रामक रूप से बोलते थे, वे अब घरों के अंदर सिमट कर रह गए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने अभिषेक पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पुलिस वहां नहीं है, इसलिए नेता भी नहीं हैं। कोई काफिला नहीं है, इसलिए अब कोई शोर-शराबा भी नहीं है। कृपया फलता आइए और प्रचार कीजिए। हमारे कार्यकर्ता और जिला नेतृत्व फूलों से और शंख बजाकर आपका स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम आपको बहुत याद कर रहे हैं। कृपया आइए। भाजपा नेता ने तृणमूल महासचिव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि होशियार नेताओं का सुनहरा घर बिखर गया है। जिन्होंने लड़ने का वादा किया था, वे अब घर पर छायी उदासी से लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों का जिक्र करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि किसी ने एक बार कहा था कि नतीजे आने के बाद डीजे बजेंगे। मैंने कहा था कि हारमोनियम और जल तरंग भी बजाए जा सकते हैं। अब ये सब घरों में बज रहा है।

राज्य सरकार सीमा पर बाड़बंदी के लिए 45 दिनों में जमीन देने को प्रतिबद्ध : मंत्री अशोक कीर्तनिया

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य के मंत्री अशोक कीर्तनिया ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़बंदी करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 45 दिनों के भीतर भूमि सौंपने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कीर्तनिया ने भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा करने और जमीनी स्तर के घटनाक्रम का आकलन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ यहां बैठक की। उन्होंने कहा कि उत्तर 24 परगना जिले के अधिकांश हिस्सों में भूमि अधिग्रहण संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रहा है,

लेकिन बसीरहाट क्षेत्र में प्रतिरोध है। कीर्तनिया ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने जिलाधिकारी से बात की और मुझे बताया गया कि बसीरहाट के तीन मौजों को छोड़कर कोई समस्या नहीं है। बसीरहाट के कुछ निवासी बाड़ वाले क्षेत्र से हटने से इनकार कर रहे हैं और बाड़ के अंदर आने वाले कुछ परिवार पुनर्वास से इनकार कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि उन्होंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर गतिरोध को हल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने जिलाधिकारी को एक सप्ताह के भीतर उन लोगों को मनाने के लिए कहा है।

मजदूरों से वसूली के आरोप में पूर्व तृणमूल पंचायत प्रधान गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के कृष्णनगर में वसूली के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के प्रभावशाली नेता सरजीत विश्वास को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार की रात कृष्णनगर कोतवाली थाने की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कृष्णनगर-1 पंचायत समिति के कृषि कर्माध्यक्ष सरजीत विश्वास के खिलाफ दिगनगर इलाके की कई फैक्ट्रियों और वहां कार्यरत श्रमिकों से अवैध रूप से रुपये लेने की शिकायत मिली थी। इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। उसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। वहीं, सरजीत विश्वास ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इन्कार किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। भाजपा ने तृणमूल नेता के आरोपों को खारिज कर दिया।

साल्टलेक में तृणमूल दफ्तर से मिले 100 से अधिक आधार कार्ड

कोलकाता, समाज्ञा : बिधाननगर नगर निगम के वार्ड 36 के बसंती देवी कॉलोनी इलाके में रविवार की सुबह एक तृणमूल कांग्रेस कार्यालय से भारी मात्रा में आधार कार्ड और जमीन से जुड़े दस्तावेज बरामद होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हलचल फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, दो नंबर बसंती देवी कॉलोनी स्थित उक्त कार्यालय लंबे समय से बंद पड़ा था। इलाके में पहले से ही सरकारी जमीन और तालाबों को भरकर अवैध तरीके से जमीन की खरीद-फरोख्त किए जाने की शिकायतें उठती रही हैं। रविवार की सुबह संदेह के आधार पर जब लोगों ने कार्यालय का ताला खोलकर अंदर देखा तो वहां रखी अटैचियों और फाइलों में सैकड़ों लोगों के आधार कार्ड, पहचान पत्र और सरकारी जमीन की खरीद-

फरोख्त से जुड़े कई दस्तावेज मिले। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना विधाननगर दक्षिण थाने की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी दस्तावेजों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जिन लोगों के आधार कार्ड और अन्य कागजात मिले हैं, उन्हें बाद में थाने बुलाकर आवश्यक सत्यापन के बाद दस्तावेज लौटाए जाएंगे। फिलहाल, संबंधित कार्यालय को सील कर दिया गया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

राज्य सरकार ने कई तृणमूल नेताओं की सुरक्षा में की कटौती

अनावश्यक खर्च रोकने और वीआईपी संस्कृति पर अंकुश

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने खतरे का आकलन करने के बाद कई नेताओं, पूर्व अधिकारियों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों को मुहैया कराई गई सुरक्षा में कटौती कर दी है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने इसी के साथ विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) श्रेणी के तहत सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों के घरों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को वापस बुला लिया है और उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों की संख्या कम कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी, पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी, बेलियाघाटा के विधायक कुणाल घोष, कोलकाता

के पूर्व मेयर और तृणमूल कांग्रेस नेता सोवन चटर्जी, राज्यसभा सदस्य और राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, सेवानिवृत्त डीजीपी मनोज मालवीय और पूर्व कार्यवाहक डीजीपी पीयूष पांडे सहित कई लोगों की सुरक्षा घटा दी गई है। उन्होंने बताया कि संशोधित व्यवस्था के तहत उनके आवासों के बाहर तैनात पुलिस कर्मियों को वापस बुला लिया गया है। प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि समीक्षा में पाया गया कि सूची में शामिल कुछ लोगों को अब अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है और उन्हें केवल उनकी वर्तमान संवैधानिक या आधिकारिक स्थिति के अनुरूप ही सुरक्षा मिलनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि संसद सदस्य कल्याण बनर्जी और राजीव कुमार दोनों को सांसदों को मिलने वाली सुरक्षा जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि अरूप बिस्वास को पहले राज्य मंत्री के रूप में सुरक्षा मिली थी, लेकिन उन्हें उस स्तर की सुरक्षा नहीं दी जाएगी क्योंकि वर्तमान में वह न तो मंत्री हैं और न ही विधायक। अधिकारियों ने बताया कि सारदा घोटाला मामले में जमानत मिलने के बाद कुणाल घोष ने हमलों की आशंका जताई थी और अदालत के निर्देशों पर उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराई थी। उन्होंने बताया कि घोष को अब केवल विधायक के रूप में मिलने वाली सुरक्षा ही दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह, पिछली सरकार के दौरान तृणमूल और राज्य सरकार के लिए कई कानूनी मामलों की पैरवी करने वाले एक वकील को दी गई अतिरिक्त सुरक्षा भी वापस ले ली गई है, क्योंकि अधिकारियों को कथित तौर पर निरंतर बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए कोई औचित्य नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक डीजीपी के रूप में पीयूष पांडे को अतिरिक्त सुरक्षा मिली थी, लेकिन अब उन्हें उनके मौजूदा स्थिति के अनुरूप सुरक्षा दी जाएगी।

मुस्लिम समुदाय गाय की कुर्बानी से बचे : नखोदा मस्जिद के इमाम

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की प्रसिद्ध नखोदा मस्जिद के इमाम ने रविवार को मुसलमानों से हिंदू भावनाओं का सम्मान करते हुए गाय की कुर्बानी से परहेज करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की हालिया अधिसूचना ने उचित स्थानीय बुनियादी ढांचे के अभाव में पशु वध को बहुत मुश्किल बना दिया है। मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने कहा कि यदि सरकार आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं करा सकती है, तो उसे गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर देना चाहिए और साथ ही उसके वध और गोमांस के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा देना चाहिए। कासिम ने कहा कि सरकार को सबसे पहले इन सभी चीजों की व्यवस्था करनी चाहिए, हर क्षेत्र में बूचड़खाने बनाने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर बाजार में पशु चिकित्सक उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस तरह की बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम नहीं है, तो उसे गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर देना चाहिए और पूरे देश में गायों के वध तथा गायों से संबंधित बूचड़खानों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा देना चाहिए। कासमी ने नयी सरकार द्वारा लागू किए गए पशु वध नियमों और धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर के इस्तेमाल संबंधी आदेश पर कहा कि मुसलमानों को एक विविधतापूर्ण समाज में ऐसी चीजों से बचना चाहिए जो दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं। इमाम ने कहा कि हम अपने मुस्लिम भाइयों से अपील करते हैं कि कृपया गाय की कुर्बानी न दें, क्योंकि इससे हमारे हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय बकरियों की कुर्बानी दी जा सकती है। पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम का हवाला देते हुए, कासमी ने कहा कि यह कानून 1950 से लागू है और अब इसे और अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। इमाम ने कहा कि 'पिछली सभी सरकारों ने मुसलमानों को आजादी तो दी, लेकिन उन्होंने समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं दिया। यह सरकार सिर्फ कानून को सख्ती से लागू कर रही है। कासमी ने मस्जिद कमेटियों से अपील की कि वे अधिकारियों के साथ सहयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि लाउडस्पीकर का उपयोग अनुमत ध्वनि सीमा से अधिक न हो।

सीएम शुभेंदु ने दिवंगत पीए चंद्रनाथ रथ को दी श्रद्धांजलि, परिवार को दिलाया न्याय का भरोसा

पूर्व मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को अपने दिवंगत निजी सहायक चंद्रनाथ रथ को उनके आवास पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पीड़ित की मां से मुलाकात की और परिवार को आश्वासन दिया कि न्याय जरूर मिलेगा। चंद्रनाथ की मां हसिरानी रथ ने मीडिया को बताया कि वह (शुभेंदु अधिकारी) भी रोए। मुझे मुख्यमंत्री पर भरोसा है। मुझे उम्मीद है कि मेरे बेटे की हत्या के मामले में न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है कि वे मेरे घर आए। उन्हें मेरे बेटे की याद थी। कई लोग कोई पद मिलने के बाद सब कुछ भूल जाते हैं। लेकिन वे आए और रोए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हमारे साथ हैं। वे दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिन्होंने मेरे बेटे की हत्या की, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हमें मुख्यमंत्री पर भरोसा है। वे भी दोषियों के लिए कड़ी सजा चाहते थे। हमने न्याय की गुहार लगाई है। जब सीबीआई जांच आगे बढ़ेगी, तो हमें सब कुछ पता चल जाएगा।

कोलकाता में नो-पार्किंग ज़ोन में वाहन खड़ा करने पर 500 रुपये जुर्माना, निर्देशों पर सख्त हुईं अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता : महानगर में अवैध पार्किंग पर रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। निर्धारित पार्किंग क्षेत्र के बाहर वाहन खड़ा करने पर अब 500 रुपये तक का जुर्माना देना होगा। राज्य की नगर एवं शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने साफ कहा है कि सड़कों के किनारे अवैध पार्किंग किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संबंध में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राज्य में नई भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर लगातार सख्ती बढ़ाई जा रही है। अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा के बाद अब महानगर में अवैध पार्किंग रोकने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

अग्निमित्रा पॉल ने कहा, जहां पार्किंग की अनुमति नहीं है, वहां किसी भी वाहन को खड़ा नहीं किया जा सकेगा। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहर के कई इलाकों में फर्जी पार्किंग स्लिप देकर अवैध रूप से पैसे वसूले जाते हैं, जिसका कोई राजस्व सरकार के पास नहीं पहुंचता। मंत्री ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी सड़क पर पैसे लेकर पार्किंग कराने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नई व्यवस्था के तहत केवल अधिकृत पार्किंग ज़ोन में ही वाहन खड़े किए जा सकेंगे। वहां डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा, जिसमें पार्किंग क्षेत्र की सीमा, वाहनों की संख्या और पार्किंग शुल्क का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। पार्किंग कर्मचारियों के लिए निर्धारित यूनिफॉर्म पहनना भी जरूरी किया गया है। प्रशासन का कहना है कि इन नियमों का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना और अवैध वसूली पर रोक लगाना है।

पूर्व मंत्री गियासुद्दीन मोल्ला ने अभिषेक बनर्जी और पुलिस अधिकारी पर दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके और ममता बनर्जी सरकार में राज्य मंत्री रह चुके गियासुद्दीन मोल्ला ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी तथा एक पुलिस अधिकारी मिथुन कुमार दे के खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत दर्ज होने की पुष्टि करते हुए गियासुद्दीन मोल्ला ने रविवार को कहा कि वे लंबे समय तक भय के कारण चुप रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक कार्रवाई से डर था। अब उन्हें नई प्रशासनिक व्यवस्था और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा है, इसलिए उन्होंने शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया है। मोल्ला के अनुसार, तत्कालीन उपमंडल पुलिस अधिकारी मिथुन कुमार दे पर आरोप है कि वे क्षेत्र के कुछ तृणमूल कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुचित दंडात्मक कार्रवाई करते थे। मोल्ला ने दावा किया कि एक पार्टी कार्यकर्ता की पुलिस थाने के अंदर पिटाई की गई और मानसिक तथा शारीरिक उत्पीड़न किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस मामले का विरोध किया तो पुलिस अधिकारी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और लाठी लेकर उन पर हमला करने के लिए दौड़े। मोल्ला का कहना है कि उन्होंने इस पूरे मामले की जानकारी ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों को दी थी, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। मोल्ला ने आरोप लगाया कि अभिषेक बनर्जी को इन घटनाओं की पूरी जानकारी थी और पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर उनके निर्देश पर काम किया।

पुरनियुक्ति घोटाला मामले में ईडी के निशाने पर सुजीत बोस के करीबी कारोबारी

कोलकाता : पुरनियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पूर्व दमकल मंत्री सुजीत बोस के करीबी माने जाने वाले कारोबारी उत्तम कुमार साहू को पूछताछ के लिए तलब किया गया। सूत्रों के अनुसार, कुछ व्यावसायिक लेनदेन और वित्तीय दस्तावेजों को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

रविवार को उत्तम कुमार साहू कोलकाता स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। कार्यालय पहुंचने के बाद वह मीडिया के कैमरों से बचते हुए सीधे अंदर चले गए। जांच एजेंसी का दावा है कि नगर निकाय नियुक्ति घोटाले से जुड़े आर्थिक लेनदेन के कई पहलुओं की जांच की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कथित भ्रष्टाचार से जुड़े पैसों का इस्तेमाल किन-किन कारोबारी गतिविधियों में किया गया। इसी कारण उत्तम कुमार साहू के व्यावसायिक संबंधों और संपर्कों की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे कई वित्तीय दस्तावेज और लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड भी मांगे हैं। पुरनियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में पहले भी कई प्रभावशाली लोगों से पूछताछ हो चुकी है। अब ईडी की नजर उन कारोबारी कड़ियों पर है, जिनके माध्यम से कथित रूप से धन के लेनदेन का संदेह जताया जा रहा है।

पशु वध नोटिस पर अधीर चौधरी ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र, स्पष्टता की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर चौधरी ने रविवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से राज्य सरकार द्वारा पशु वध संबंधी दिशानिर्देशों पर जारी सार्वजनिक नोटिस के संबंध में हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस नोटिस की वजह से विशेष रूप से मुर्शिदाबाद जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के बीच 'भ्रम की स्थिति और बेचैनी' पैदा हुई है। चौधरी ने शुभेंदु को लिखे पत्र में कहा कि राज्य सरकार द्वारा 13 मई को 'पशु वध दिशानिर्देशों' के अनुपालन से संबंधित जारी किए गए सार्वजनिक नोटिस ने मुर्शिदाबाद में भ्रम और बेचैनी पैदा कर दी है, जहां अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी अधिक है। चौधरी ने व्यावहारिक

समाधान सुझाते हुए मुख्यमंत्री से मुर्शिदाबाद जिला प्रशासन को उन विशिष्ट स्थानों की पहचान करने और सीमांकित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया, जहां लोग अपने धार्मिक विश्वास से जुड़े रीति-रिवाजों का पालन कर सकें। उन्होंने पत्र में लिखा कि इस प्रकार चिह्नित और सीमांकित स्थानों का उपयोग केवल धार्मिक समूह से संबंधित पारंपरिक अनुष्ठानों के लिए किया जाए। यह दृष्टिकोण नोटिस के कारण उत्पन्न होने वाली असुविधा को दूर करने का एक आदर्श समाधान होगा। चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है जिसमें विविध सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक प्रथाओं का पालन करने वाले अनेक समूह और समुदाय रहते हैं, इसलिए विभिन्न समुदायों के लोगों को बिना किसी संदेह के अपने सामाजिक-धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने में सक्षम बनाना आवश्यक है। लोकसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने शुभेंदु अधिकारी को लिखे गए पत्र में कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप हस्तक्षेप करेंगे ताकि जिले में फैल रही बेचैनी और भ्रम की स्थिति को दूर किया जा सके।

तिलजला अग्निकांड में एक और मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर तीन

कोलकाता : तिलजला के अवैध कारखाने में लगी भीषण आग की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। अस्पताल में कई दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद एक और घायल युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान महम्मद इब्रा के रूप में हुई है। वह तिलजला के मस्जिद बाड़ी लेन इलाके के निवासी थे। बताया गया है कि 12 मई को तिलजला के अवैध कारखाने में भीषण आग लग गई थी, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। महम्मद इब्रा भी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। आखिरकार उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए नीलरतन सरकार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के बाद से इलाके में अवैध कारखानों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

Change of Name

I, Kazi Anwar Hossain, son of Kazi Aiyub Hossain, residing at Muthadanga Bazar, Mayapur, Arambagh, Hooghly-712413, do hereby solemnly affirm and declare that my mother's name before marriage with my father Krishna Priya Bhanja and my mother Mahabuba Begam and Keishna Priya Bhanja is one and same identical person via affidavit in the Court of Ld Executive Magistrate 1st Class at Howrah dated 13rh May 2026.

बंगाल बुलडोजर राजनीति में विश्वास नहीं करता, गरीब राजनीतिक अहंकार की कीमत चुका रहे : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को राज्य के कुछ हिस्सों में हाल ही में चलाए गए बेदखली और अतिक्रमण रोधी अभियानों को 'बुलडोजर की राजनीति' करार दिया और दावा किया कि गरीब लोग 'राजनीतिक अहंकार' की कीमत चुका रहे हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि इन अभियानों ने अशांति को जन्म दिया और आम लोगों के बीच कठिनाई पैदा की। ममता ने लिखा कि घरों से लेकर फेरीवालों की दुकानों तक, गरीब लोग राजनीतिक अहंकार की कीमत चुका रहे हैं। बंगाल बुलडोजर की राजनीति में विश्वास नहीं करता। टैगोर और नेताजी की धरती पर भय, बल और आम नागरिकों के खिलाफ तोड़फोड़ के अभियानों के जरिए शासन नहीं किया जा सकता। तृणमूल प्रमुख ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि ये घटनाक्रम समाज के कमजोर वर्गों की गरिमा और आजीविका पर हमले को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज हम जो देख रहे हैं वह बंगाल के लोगों की गरिमा पर हमला है, जिन्होंने एक एक ईंट जोड़कर अपना जीवन बनाया है।

तृणमूल के शीर्ष नेताओं ने चुनाव में हार के बाद जिला परिषद सदस्यों के साथ की बैठक

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को पार्टी के जिला परिषद सदस्यों के साथ बैठक कर 'बंगाल की रक्षा और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने' की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। तृणमूल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कालीघाट में हमारे जिला परिषद सदस्यों से मुलाकात की। पोस्ट में कहा गया है कि हम सब मिलकर बेहतर कल के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बंगाल को विभाजन और हिंसा के समर्थकों से सुरक्षित रखा जाए। विधानसभा चुनावों में करारी पराजय के बाद तृणमूल नेतृत्व अब संगठन के पुनर्निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों में अपने जनाधार को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

स्वास्थ्य ढांचे के विकास को लेकर विद्यासागर अस्पताल पहुंचे विधायक इंद्रनील खां

❑ परिकल्पना नहीं, काम शुरू करने की तैयारी! सोमवार को स्वास्थ्य भवन में अहम बैठक

कोलकाता : राज्य में नई भाजपा सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और बुनियादी ढांचे को लेकर प्रशासनिक सक्रियता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा एसएसकेएम अस्पताल में स्वास्थ्य ढांचे के विकास को लेकर समीक्षा बैठक करने के 24 घंटे के भीतर ही चिकित्सक-विधायक इंद्रनील खां शनिवार को बेहाला स्थित विद्यासागर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करने के साथ-साथ उन्होंने अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अतसी मंडल से भी विस्तृत बातचीत की।

सूत्रों के अनुसार, पश्चिम कोलकाता के इस अस्पताल में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। खासकर नवजात शिशु देखभाल इकाई (नियोनेटल केयर यूनिट) को लेकर वर्षों से मांग उठती रही है। बताया जा रहा है कि करीब पंद्रह वर्ष बीत जाने के बावजूद यहां पूर्ण विकसित नवजात देखभाल यूनिट तैयार नहीं हो सकी है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में विधायक इंद्रनील खां का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, उपकरणों, बेड की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं और मातृ एवं शिशु चिकित्सा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। अस्पताल प्रशासन ने कई जरूरी मांगों और समस्याओं की जानकारी विधायक को दी।

सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सक-विधायकों और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों की बुनियादी जरूरतों और अधूरी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि किस अस्पताल में कौन-सी सुविधाएं तत्काल जरूरी हैं, उसका विस्तृत प्रस्ताव चिकित्सक-विधायक स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने रखेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि राज्य सरकार अस्पतालों में बुनियादी ढांचे, आईसीयू, नवजात देखभाल इकाइयों, आधुनिक उपकरणों और मरीज सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने की तैयारी में है।

कोलकाता के पांच सरकारी अस्पतालों में देर रात स्वास्थ्य सचिव का औचक निरीक्षण

साफ-सफाई और बुनियादी ढांचे का लिया जायजा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के स्वास्थ्य सचिव नारायणस्वरूप निगम ने शनिवार की रात कोलकाता के कई सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। अस्पतालों की साफ-सफाई, बुनियादी सुविधाओं और निगरानी व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए यह दौरा किया गया। सूत्रों के अनुसार, गत गुरुवार को स्वास्थ्य सचिव ने कोलकाता के पांच मेडिकल कॉलेजों और चार शिक्षण संस्थान अस्पतालों के प्राचार्यों तथा उप-प्राचार्यों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की थी। बैठक में अस्पतालों की व्यवस्था को लेकर कई सख्त निर्देश दिए गए थे। इसके बाद, शनिवार की रात उन्होंने स्वयं अस्पतालों का निरीक्षण किया। सबसे पहले स्वास्थ्य सचिव नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचे। इसके बाद, उन्होंने कलकत्ता मेडिकल कॉलेज व अस्पताल, नीलरतन सरकार मेडिकल कॉलेज व अस्पताल (एनआरएस), आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल और एसएसकेएम अस्पताल का दौरा किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में स्वास्थ्य सचिव ने उप-प्राचार्य सप्तर्षि चट्टोपाध्याय सहित अन्य चिकित्सकों और अधिकारियों के साथ बैठक भी की। बैठक में अस्पताल की स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य भवन के सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल परिसरों में अस्वास्थ्यकर वातावरण, गंदे शौचालय और निगरानी व्यवस्था की कमी को लेकर अस्पताल प्रशासन को कड़ा संदेश दिया गया है। निर्देश दिया गया है कि केवल शौचालय ही नहीं, बल्कि वार्ड और कॉरिडोर भी साफ-सुथरे रखे जाएं। सूत्रों का दावा है कि अस्पताल के विभिन्न हिस्सों की दिन में कम से कम तीन बार सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, यह भी कहा गया है कि सफाई कार्य नियमित रूप से हो रहा है या नहीं, इसकी निगरानी भी की जाएगी।

आसनसोल में पुलिस चौकी पर हमले में अबतक 26 आरोपित गिरफ्तार

आसनसोल : आसनसोल के रेलपार इलाके में पुलिस चौकी पर हमले और उपद्रव के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 26 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रविवार को गिरफ्तार सभी आरोपितों को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में सिर्फ रेलपार इलाके के निवासी ही नहीं, बल्कि पुराना स्टेशन और रंगनियां पाड़ा क्षेत्र के कुछ लोग भी शामिल हैं। इससे जांच एजेंसियों को संदेह है कि घटना में बाहरी तत्वों की भी भूमिका हो सकती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की रात जहांगीर मोहल्ला स्थित फैज-ए-आमबाग पुलिस फाड़ी में माइक नियम को लेकर विवाद के बाद भारी बवाल हो गया था। उग्र भीड़ ने पुलिस चौकी पर हमला कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। घटना में कई पुलिस कर्मी घायल हुए थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा था। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट ने सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो क्लिप के आधार पर आरोपितों की पहचान शुरू की। लगातार छापेमारी के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच लगातार जारी है और हिंसा में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिलन मेला प्रांगण में आयोजित 'ईको थ्रेड्स' कपड़ा प्रदर्शनी में बनारस की प्रसिद्ध कंपनियों राय ब्रदर्स के राकेश कांत राय, मिनार फैब्रिक्स, कलाम टेक्सटाइल और कामजिशान फैब्रिक्स द्वारा लगाए गए आकर्षक स्टॉलों पर उमड़ी लोगों की भीड़।

बीरभूम में खेत में बिखरे पड़े मिले वोटर कार्ड, मचा बवाल

बीरभूम : जिले में एक खेत से रविवार को बड़ी संख्या में मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) मिले। घटना बीरभूम के नानूर प्रखंड के किरनाहर इलाके में सामने आई, जहां रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने देखा कि एक खेत में बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र पड़े हैं। यह खेत एक पूर्व बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के आवास के बगल में स्थित है, जिससे इलाके में कयास लगने लगे और हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि पूर्व बीएलओ हिरण्यप्रभा मिते माजी पूर्व बर्दवान जिले के केतुग्राम प्रखंड में कार्यरत थी और पुलिस ने इस मामले में उससे पूछताछ की है। उन्होंने बताया कि माजी ने 2012 से 2025 तक बीएलओ के रूप में काम किया था और बाद में प्रशासनिक नियमों के अनुसार उन्हें पद से हटा दिया गया था। माजी ने दावा किया कि अपने कार्यकाल के दौरान, वह नए मतदाता पहचान पत्र वितरित करते समय पुराने मतदाता पहचान पत्र को एकत्र करती थीं, लेकिन उन्हें प्रखंड कार्यालय में जमा नहीं कराया। इसके बजाय, उन्होंने उन्हें अपने पास ही रखा। सूत्रों के मुताबिक, माजी ने लोगों से कहा कि मेरे घर में मरम्मत का काम चल रहा था, और मैंने कागजात घर के पीछे एक बोरी में रखे थे। हो सकता है किसी ने उन्हें खुले में फेंक दिया हो।

बांसद्रोणी में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियारों के साथ युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को बांसद्रोणी इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान सत्यब्रत बसु राय(28) के रूप में हुई है। वह कोलकाता के निरंजन पल्ली इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है। लालबाजार और स्थानीय थाना सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बांसद्रोणी इलाके में एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही बांसद्रोणी थाना की पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया।

अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध युवक को पकड़कर उसकी तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से दो अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमैटिक आग्नेयास्त्र और चार राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बरामदगी के बाद पुलिस ने युवक को तुरंत गिरफ्तार कर हथियारों को जब्त कर लिया। फिलहाल, पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार कहां से आए और वह इन्हें किस उद्देश्य से लेकर घूम रहा था।

श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति ने विधायक डॉ. अरुप कुमार दास का किया सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति की ओर से सिंगुर से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक डॉ. अरुप कुमार दास के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम समिति के सिंगुर जामीर बेड़िया स्थित विश्राम गृह में संपन्न हुआ। समारोह में समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. दास ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि समिति के विशाल विश्राम गृह की सुविधाओं का लाभ उन्हें भी मिला है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने आश्वासन दिया कि नवनिर्वाचित विधायक के रूप में वह समिति के सेवा कार्यों में हरसंभव सहयोग देने का प्रयास करेंगे। समिति के सभापति दिनेश कुमार बिहानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने डॉ. दास का उत्तरीय पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। सचिव गोविंद रांधड़ और अन्य सदस्यों ने विधायक को संस्था की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष विकास नेवटिया, विजय दारुका, संजय जैन, प्रदीप जालान, पंकज गोयल, राजकुमार खेड़िया, नथमल बिहानी, सुरेश झुनझुनवाला, सोमनाथ कुमार, दीपक कुमार गुप्ता, रमेश कुमार अग्रवाल, शरत कुमार गुप्ता, शशांक कंदोई सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुर्शिदाबाद में बुलडोजर कार्रवाई पर हुमायूं कबीर का समर्थन

मुर्शिदाबाद : आम जनता विकास पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने राज्य सरकार की बुलडोजर कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा है कि अवैध कब्जों पर सख्त कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं अवैध कब्जा है, तो बुलडोजर चलाकर उसे हटाया जाना चाहिए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के खिलाफ उकसावे वाले बयान को लेकर दर्ज एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए कबीर ने कहा कि अगर उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, तो जरूर कोई गलत काम या धमकी का मामला रहा होगा। जांच एजेंसियां इसकी सच्चाई सामने लाएंगी।

जातिवाद से ऊपर उठकर राष्ट्र भाव जगायें : डॉ. शिवओम अम्बर

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के लिए हमें जातिवाद से ऊपर उठना होगा। हमारी संस्कृति में अन्तर्निहित पांच प्राण तत्व हमें समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण के संस्कार प्रदान करते हैं। उपरोक्त बातें प्रख्यात राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. शिवओम अम्बर (फर्रूखाबाद) ने श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय द्वारा स्थानीय रथीन्द्र मंच (जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी) में रविवार को आयोजित आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री स्मृति व्याख्यानमाला के 21वें आयोजन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के पांच प्राण हैं- पंचयज्ञ, चार वर्णाश्रम, चार पुरुषार्थ, षोडस संस्कार, कर्म सिद्धांत। डॉ. अम्बर ने सनातन संस्कृति के बारे में समाज में फैली भ्रांतियों के निवारण हेतु नई व्याख्याएं परिभाषित करते हुए बताया कि ब्राह्मयज्ञ यानि परावाणी का स्वाधयाय तथा पितृयज्ञ यानि अपने समपर्कित व्यक्तियों का ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि कर्म सिद्धांत केवल भारतीय संस्कृति में है जो हमें अपने कर्मों के द्वारा सद्गति (मोक्ष) का मार्ग प्रशस्त करता है। समारोह के अध्यक्ष डॉ. बिट्ठलदास मूंधड़ा ने अपने वक्तव्य में आत्मबोध, गंतव्यबोध एवं शत्रुबोध जैसे आवश्यक तत्वों की तरफ ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम का संचालन किया कुमारसभा की साहित्य मंत्री डॉ. तारा दूगड़ ने। अतिथियों को अंग वस्त्र पहना कर स्वागत डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी एवं ज्योतिषाचार्य राकेश कुमार पाण्डेय एवं रितिका काकड़ा ने किया। कुमारसभा के मंत्री बंशीधर शर्मा एवं उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद रावत भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में कवयित्री मितु कानोड़िया के प्रथम काव्य संग्रह ह्रदय पुष्प' का लोकार्पण डॉ. शिवओम अम्बर ने किया। समारोह में रामअवतार बींजराजका, अजय नन्दी, मनोज पराशर, महेश तोदी, राजकुमार व्यास काकू', अरुणप्रकाश मल्लावत, संजय रस्तोगी, ब्राह्मानन्द बंग, सागरमल गुप्ता, सत्यप्रकाश राय, वेदप्रकाश गुप्ता, नरेन्द्र डागा, महेन्द्र अग्रवाल, राजीव शरण, सुभाष जैन, शंकरलाल सोमानी, गुड्डन सिंह, डॉ. कमल कुमार, बिधुशेखर शास्त्री, डॉ. सत्या उपाध्याय, स्नेहलता वैद, आदि की उपस्थिति से सभागार खचाखच भरा हुआ था। कार्यक्रम को सफल बनाने में भागीरथ सारस्वत, मनीष जैन, श्रीमोहन तिवारी, बिपुल दूगड़, बृजेन्द्र पटेल एवं अरुण सिंह आदि सक्रिय थे।

सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने देवघर के शंकरपुर में नव-निर्मित रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने मानव-संचालित समपार फाटकों को समाप्त करने और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए झारखंड के देवघर जिले के शंकरपुर में नव-निर्मित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण पूरा कर लिया है। इस आरओबी का उद्घाटन शनिवार को सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने किया।

यह आरओबी शंकरपुर स्थित समपार फाटक संख्या 27/सी के स्थान पर बनाया गया है। उद्घाटन समारोह में विधायक सुरेश पासवान, आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संग्राह मौर्य तथा अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के मार्गदर्शन में निर्मित इस परियोजना का उद्देश्य जन-सुविधा बढ़ाना, सड़क सुरक्षा मजबूत करना तथा निर्बाध यातायात सुनिश्चित करना है। आरओबी चालू होने के बाद समपार फाटक संख्या 27/सी को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। करीब 37.55 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना वर्ष 2012-13 में रेलवे और झारखंड सरकार की लागत साझेदारी योजना के तहत स्वीकृत हुई थी। यह समपार फाटक व्यस्त सत्संगनगर-भिरखीबाद सड़क (एमडीआर-219) पर स्थित था, जहां भारी यातायात और जाम की समस्या बनी रहती थी। 808 मीटर लंबे और 7.5 मीटर चौड़े इस आरओबी से शंकरपुर-जसीडीह मार्ग पर यातायात सुगम होगा और स्थानीय लोगों को तेज एवं सुरक्षित संपर्क सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा कि यह आरओबी सड़क सुरक्षा बढ़ाने, जाम कम करने और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आरओबी आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं, जो दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के साथ आपातकालीन सेवाओं की तेज आवाजाही सुनिश्चित करते हैं। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह परियोजना पूर्व रेलवे के सुरक्षित, आधुनिक और दक्ष परिवहन नेटवर्क विकसित करने के प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पूर्व रेलवे ने मेगा स्वच्छता अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की, 30 मिनट में सफाई की गारंटी

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में विभिन्न मंडलों और कारखानों में मेगा स्वच्छता अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस चरण में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 30 मिनट के भीतर सफाई की गारंटी नामक नई पहल शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान करना है। अभियान की शुरुआत वरिष्ठ अधिकारियों, कारखाना प्रबंधकों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रमों से हुई। आसनसोल मंडल में संग्रह मौर्य द्वारा आसनसोल और दुर्गापुर स्टेशनों पर इस पहल का शुभारंभ किया गया, साथ ही यात्रियों की प्रतिक्रिया के लिए क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल फीडबैक प्रणाली भी शुरू की गई। लिलुआ स्टेशन पर मुख्य कारखाना प्रबंधक यतीश कुमार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया, जिसमें सिविल डिफेंस, मान्यता प्राप्त यूनियन और खेल संगठनों ने भाग लिया। वहीं, कांचरापाड़ा स्टेशन पर सुभाष चंद्र की उपस्थिति में अभियान का औपचारिक शुभारंभ हुआ। यह अभियान 16 मई से 30 मई 2026 तक स्पॉट इट, रिपोर्ट इट, वी आर ऑन इट थीम के तहत चल रहा है। यात्रियों को रेलमदद ऐप या सोशल मीडिया पर ईआरचैलेंजके माध्यम से गंदगी की शिकायत दर्ज करने की सुविधा दी गई है, जिसके बाद रेलवे टीमें 30 मिनट के भीतर सफाई सुनिश्चित करेंगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह दूसरा चरण त्वरित जवाबदेही पर केंद्रित है। रेलवे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से रियल-टाइम समाधान सुनिश्चित कर रहा है और यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई है।

उत्तर हावड़ा में विजय भोज का आयोजन, 500 से अधिक लोगों ने लिया भाग

हावड़ा, समाज्ञा : राज्य में भाजपा की प्रचंड जीत और उत्तर हावड़ा विधानसभा से उमेश राय के विधायक बनने की खुशी में, उत्तर हावड़ा भाजपा युवा नेता एवं समाजसेवी विक्की यादव की संस्था उत्तर हावड़ा युवादल की ओर से राज्य के पारंपरिक भोज मछली-भात का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं के साथ कई सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष और कार्यकर्ता शामिल हुए। लगभग 500 लोगों ने मछली-भात का आनंद लिया और बीजेपी सरकार के समर्थन में भारत माता की जय के नारे लगाए। कार्यक्रम में भाजपा नेता ताड़क नाथ साव, भाजपा राज्य नेता विवेक सोनकर, जिला सचिव ओमप्रकाश सिंह, मंडल अध्यक्ष राजू यादव, युवा जिला महामंत्री विशाल जैसवाल, व्यवसायी बृजेश यादव, संतोष यादव, पवन यादव, विनय यादव, अमन यादव, बिट्टू, राजेश, आयुष, राजू रजक, रोहित , अर्धेंदु, ऋषिकेश एवं अन्य सभी कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में जीता ओवरऑल चैंपियन खिताब

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की भारत स्काउट्स एंड गाइड्स टीम ने राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी जीती। यह पांच दिवसीय शिविर 10 से 14 मई 2026 तक राजस्थान के गंगानगर में आयोजित किया गया, जिसमें छह प्रमुख इकाइयों-पूर्वी रेलवे, हरियाणा, झारखंड, एन.एफ. रेलवे, एस.ई. रेलवे और पश्चिम बंगाल ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना था। विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और देश की विविधता में एकता का संदेश दिया। पूर्व रेलवे की विजेता टीम का प्रतिनिधित्व कांचरापाड़ा जिला संघ ने किया। टीम ने पूरे शिविर में अनुशासन, उत्कृष्ट टीमवर्क और प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दम पर सभी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पूर्वी रेलवे जोन का गौरव बढ़ाया बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की मजबूत उपस्थिति को भी दर्शाया।

इस सफलता का श्रेय पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एवं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के संरक्षक मिलिंद देउसकर के मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन को दिया गया। उनके नेतृत्व में संगठन लगातार युवाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं राज्य सचिव शिबराम माझी ने कहा कि यह जीत स्काउट्स एंड गाइड्स की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांचरापाड़ा टीम ने राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे पूर्वी रेलवे परिवार को गौरवान्वित किया है।

हावड़ा स्टेशन परिसर में अतिक्रमण विरोधी अभियान, करीब 150 फेरीवाले और अवैध ढांचे हटाए गए

हावड़ा : हावड़ा रेलवे स्टेशन परिसर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया, जिसके तहत गंगा घाट से स्टेशन परिसर तक फैले इलाके में अवैध दुकानों और अस्थायी ढांचों को हटाया गया। अभियान के दौरान बुलडोजर की मदद से फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर बने अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), रेलवे प्रशासन और हावड़ा नगर पुलिस ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए इलाके में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और स्टेशन परिसर में सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। हावड़ा स्टेशन देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में शामिल है, जहां प्रतिदिन लाखों यात्री आवाजाही करते हैं। लंबे समय से स्टेशन परिसर और आसपास रेलवे भूमि पर अतिक्रमण के कारण यात्रियों को भारी भीड़भाड़ और असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

अभियान के दौरान लगभग 150 फेरीवालों और दुकानों को हटाया गया। इनमें खाद्य पदार्थ, फल, खिलौने और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बेचने वाले विक्रेता शामिल थे। मौके पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर पूरे इलाके को घेर लिया था। कार्रवाई के दौरान कुछ फेरीवालों ने विरोध भी जताया। उनका आरोप था कि उन्हें पहले से पर्याप्त नोटिस नहीं दिया गया। कई दुकानदारों ने पुनर्वास की मांग करते हुए कहा कि उनकी दुकानें वर्षों पुरानी थीं और इस कार्रवाई से उनकी आजीविका प्रभावित हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विरोध के दौरान कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी, हालांकि पुलिस और प्रशासन ने स्थिति को जल्द नियंत्रित कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि यह रेलवे भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के नियमित अभियान का हिस्सा है।

उत्तर हावड़ा के विधायक उमेश राय ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि हावड़ा रेल पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी और हावड़ा सिटी पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के बाद हावड़ा स्टेशन के आसपास का इलाका काफी साफ-सुथरा हो गया है और यात्रियों को भी सुविधा हो रही है। विधायक ने इसके लिए रेल प्रशासन और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

श्री श्री रविशंकर के 70 वें जन्मोत्सव पर हावड़ा में 225 लोगों ने किया रक्तदान

विधायक उमेश राय ने किया रक्तदाताओं को उत्साहित

हावड़ा, समाज्ञा : आर्ट ऑफ लिविंग एवम जॉय ऑफ शेयरिंग फाउंडेशन की तरफ से पूज्य गुरुदेव रवि शंकर जी के 70 वे जन्म दिन के उपलक्ष मे हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन उत्तर हावड़ा के राम सभागार मे किया गया जिसमें 225 रक्तदाताओं ने स्वेच्छापूर्वक रक्तदान किया और इन सभी रक्तदाताओं को हमेशा की भांति एक तुलसी का पौधा एवम सर्टिफिकेट प्रदान दिया गया। कार्यक्रम में उत्तर हावड़ा के नव-निर्वाचित विधायक उमेश राय भी मौजूद रहे जिनका सम्मान संस्था की तरफ से गुलदस्ता, दुपट्टा और मोमेंट देकर जितेंद्र अग्रवाल और संदीप खोसला ने किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उत्साहित करते हुए विधायक उमेश राय ने कहा कि सही मायने में रक्त ही सेकुलर है क्योंकि देने वाले को भी नहीं पता किसको दिया जा रहा है लेने वाले को भी नहीं पता किसका है। उन्होंने यह भी कहा कि आपने मुझे जीताकर जो दायित्व मुझे सौंपा है वो पूरा करने का मैं जी-जान से प्रयास करूंगा। आर्ट ऑफ लिविंग की वरिष्ठ प्रभारिका एवं हावड़ा जिला शिक्षक समन्वयक सुमन अग्रवाल ने बताया कि यह रक्त संग्रह कोठारी ब्लड बैंक ने किया। इस अवसर पर सप्रसिद्ध समाजसेवी घनश्याम दास गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शुभो शंकर चौधरी, रक्तदान के राष्ट्रीय कार्यकर्ता संजय यादव, डॉ. आनंद पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। जॉंय ऑफ शेयरिंग फाउंडेशन के मनीष अगरवाल ने बताया कि जॉय ऑफ शेयरिंग फाउंडेशन हर बार गर्मी के समय में ही यह रक्तदान शिविर का आयोजन करती है ताकि रक्त की कमी को कुछ हद तक पूरा किया जा सके। संस्था गत 9 वर्षो से रक्तदान के साथ ही गौ सेवा, बुज़ुर्गों एवं ज़रूरतमंद बच्चो सहित विविध सेवा कार्यो मे लगी है। बताया गया कि जय ऑफ़ शेयरिंग के 6 साल के कार्यकर्ता श्रेयश गुप्ता की इस आयोजन में सक्रियता ने यह सिद्ध कर दिया कि छोटी उम्र से मैं भी सेवा भावना आ सकती है। कोठारी ब्लड बैंक कि तरफ से भी मोमेंट देकर सम्मानित किया गया जॉय शेयरिंग की तरफ से मोमेंटो चंदन यादव ने लिया और आर्ट ऑफ लिविंग की तरफ से मोमेंटो सुमन अग्रवाल ले लिया। आयोजन की सफलता में अंजनी पुत्र सेना एवं राम सेवा समिति (हावड़ा) ने सहयोगी संस्था के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जबकि जितेन्द्र अग्रवाल, गौरव दुगर, डॉ. हेमंत अग्रवाल, जतिन शाह, अभिषेक सुरेखा, महेश मूंदड़ा, नारायण टिबड़ेवाल, मनीष जोशी, सुमन सुरेका, संजय खेतान, रवि ठाकुर, सुभासीष हुई, किशन वैष्णव, रोहित शर्मा, पिंटू शॉ, सौरव गुप्ता, सुरेंद्र वर्मा, मुकेश जैसवाल, सुमित दमानी, सौरव सिंह, रत्नेश रॉय, जगदीश चांडक, यशपाल वर्मा, पवन सिंह आदि सहित कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

कटवा में दोस्तों संग बैठे कॉलेज छात्र की धारदार हथियार से हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बर्दवान : कटवा में शनिवार रात एक कॉलेज छात्र की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान शाहिद मिद्दा(21) के रूप में हुई है। वह कटवा कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष का छात्र था। पुलिस और परिवार सूत्रों के अनुसार, शाहिद शनिवार शाम घर से निकला था और रोज की तरह स्थानीय तालाब किनारे अपने दोस्तों के साथ बैठा हुआ था। आरोप है कि रात करीब साढ़े नौ से दस बजे के बीच कुछ अज्ञात लोग पीछे से आए और उस पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उसके गले और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद खून से लथपथ शाहिद जमीन पर गिर पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का कहना है कि शाहिद रोज दोस्तों के साथ वहां बैठकर मोबाइल गेम खेलता था। परिजनों को शक है कि गेम खेलने को लेकर हुए किसी विवाद के कारण उसकी हत्या की गई हो सकती है। वहीं पुलिस प्रेम प्रसंग समेत अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक घटना के समय शाहिद के साथ उसके दोस्त लालन मल्लिक और साहेब बागदी मौजूद थे। एक अन्य युवक भी वहां था, जो घटना के बाद फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रविवार को फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। इस मामले की जांच जारी है।

बिनायक एनक्लेव में सजल घोष का नागरिक अभिनंदन

कोलकाता, समाज्ञा : बिनायक एनक्लेव रेजिडेंट और ओनर्स एसोसिएशन द्वारा बारानगर विधान सभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक भाजपा के लड़ाकू नेता सजल घोष का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं एनक्लेव के वाशिंदे भारी संख्या में उपस्थित थे। मौजूद लोगों में अपने लोकप्रिय नेता के प्रति खासा लगाव एवं सम्मान देखने को मिला। लोग अपने नए नेता को अपने साथ के उस खास पल को मोबाइल में कैद कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक ने एनक्लेव की दो मुख्य समस्याओं का समाधान एक साल के अंदर करने का आश्वासन दिया। पहली समस्या बिनायक एनक्लेव में पीने के पानी की और दूसरी एनक्लेव के सामने जल जमाव की। सजल घोष ने दो-हराया कि जैसा मैने चुनाव के पहले भी कहा था, हर समस्या का समाधान जो एक विधायक के रूप में करने योग्य होगा उसे एक निश्चित समयावधि में करूंगा। एनक्लेव की समस्या के साथ मैं पूरे बारानगर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने इस भव्य अभिनंदन और सम्मान के लिए एसोसिएशन और एनक्लेव के लोगों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसोसिएशन के अध्यक्ष कौस्तभ घोष, सचिव गौतम दत्ता, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र नाथ राय, अजीत शर्मा, रतन झा, अमित जैन, माननीय सदस्यों और उपस्थित लोगों की भूमिका सराहनीय रही।

भाजपा कार्यकर्ताओं से मारपीट के आरोप में तृणमूल पार्षद गिरफ्तार, 14 दिन की न्यायिक हिरासत

हुगली, समाज्ञा : चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं से मारपीट के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के पार्षद राजू पड़ुई उर्फ चंडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार की शाम को जिले के वैद्यबाटी इलाके में हुई इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई। हालांकि, स्थानीय तृणमूल नेतृत्व ने सभी आरोपों से इनकार किया है। बता दें कि घटना 26 अप्रैल की बताई जा रही है। दूसरे चरण के मतदान से पहले वैद्यबाटी नगरपालिका के वार्ड 4 स्थित जात्राबाग इलाके में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक चुनाव प्रचार कर रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान वार्ड के तृणमूल पार्षद राजू पड़ुई अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें बुरी तरह पीटा गया और बाद में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा नेता स्नेहांशु मोहांत ने श्रीरामपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रचार के दौरान राजू पड़ुई और तारापद दास समेत अन्य लोगों ने उन पर हमला किया। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और वैद्यबाटी इलाके से राजू पड़ुई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को रविवार को श्रीरामपुर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

'वसूली' के आरोप में तृणमूल पंचायत प्रधान गिरफ्तार, पांच दिनों की पुलिस हिरासत

हुगली जिले के कामारपुकुर ग्राम पंचायत के प्रधान राजदीप दे को कथित जबरन वसूली के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजदीप दे हुगली जिले के धनियाखाली थाना अंतर्गत इछापुर इलाके में अपने मामा के घर में छिपे हुए थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया। रविवार को आरोपित को आरामबाग महकमा अदालत में पेश किया गया। अदालत में पेशी के दौरान पुलिस ने जांच के हित में आरोपित की पुलिस हिरासत की मांग की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने राजदीप दे को पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

श्री समग्र जैन समाज भारत फेडरेशन का भव्य सम्मान एवं सामाजिक समागम समारोह संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री समग्र जैन समाज भारत फेडरेशन की ओर से 16 मई को कांकुड़गाछी स्थित रोज बैंक्वेट में भव्य सम्मान एवं सामाजिक समागम समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तपस रॉय थे, जो मानिकतला के विधायक एवं विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर हैं। उनकी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। मंच पर अजीत पंड्या, निर्मल पाटनी, रोशन सेठी एवं बिशु बाबू भी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं सम्मान किया गया। तिलक द्वारा स्वागत दीपक पाटनी ने किया, जबकि माला पहनाकर स्वागत रौनक जैन और व्योम सेठी ने किया। दुपट्टा सम्मान मयंक गंगवाल एवं उत्सव छाबड़ा द्वारा तथा साफा सम्मान साहिल जैन (धुलियान) और सुमित सिंह द्वारा किया गया। सम्मान पत्र सीमा सेठी, अलका सेठी, ज्योति कला एवं रिंकू छाबड़ा ने प्रदान किए। वहीं, बुके देकर सम्मान मनीष बरजात्या एवं विवेक गंगवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय जैन कला ने किया। इस अवसर पर मनीष गंगवाल, ऋषभ पाटनी, सीमा सेठी एवं हर्ष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान समाज एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कई व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। रतिन सिंह, समाजसेवी जॉय सेन गुप्ता तथा बिमल झुनझुनवाला को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवा, सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस भव्य समारोह का सफल आयोजन साहिल जैन, रोशन जैन तथा मयंक जैन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पुनर्यजक दीपक कुमार सेठी परिवार, रोज बैंक्वेट एवं श्री समग्र जैन समाज भारत फेडरेशन रहे।

बाली के नव निर्वाचित विधायक संजय सिंह का सामाजिक संस्थाओं ने किया नागरिक अभिनंदन

भयमुक्त हो गया बाली, अब होगा विकास : संजय सिंह

हावड़ा, समाज्ञा

प. बंगाल विधानसभा में बाली क्षेत्र से नव निर्वाचित विधायक संजय सिंह का स्थानीय सामाजिक संस्थाओं की ओर से शनिवार की शाम लिलुआ के श्री हनुमान भक्त मण्डल भवन में नागरिक अभिनंदन किया गया। समाजसेवी सत्यनारायण देवरालिया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में समाजसेवी सजन कुमार बंसल, गोविंद राम ढाणेवाल, रमेश नांगलिया, बनारसी दास अग्रवाल, मोहन गर्ग, शंकर सान्याल, विष्णुदत्त मित्तल, नवीन टीकमानी आदि मंचासीन गणमान्य लोगों ने नव-निर्वाचित विधायक संजय सिंह को बधाई देते हुए कहा कि वर्षों से त्रस्त बाली की जनता को संजय जी के कार्यकाल में निर्भय होकर जीवन यापन के साथ ही बेहतर से बेहतर नागरिक सुविधायें मिलेगी, इसमें कोई भी संशय नहीं है। राजकुमार मित्तल के स्वागत भाषण के पश्चात सजन कुमार बंसल ने दुपट्टा, गोविंद राम ढाणेवाल ने शॉल व इस आयोजन की मुख्य आयोजक संस्था राम सेवा समिति (हावड़ा) की ओर से घनश्याम दास गुप्ता, रतन लाल गोयल, रोशनलाल अग्रवाल आदि पदाधिकारियों ने हनुमान प्रभु की तस्वीर भेंट कर विधायक संजय सिंह का अभिनंदन किया गया जबकि हनुमान भक्त मण्डल (लिलुआ), श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम 'परिवार', मानव सेवा समिति (हावड़ा), पूर्वांचल कल्याण आश्रम (हावड़ा), सेवक मण्डल बजरंगबली, रामकृष्ण सेवा समिति (कृष्ण भवन), विवेकानंद सम्मिलनी (डॉन बॉस्को कालोनी), अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा, माँ विंध्यवासिनी भक्त मंडल, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, हनुमान कांप्लेक्स ऑनर्स एसोसिएशन आदि संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी माला-दुपट्टा-मोमेंटो भेंटकर विधायक महोदय का अभिनंदन किया। राम सेवा समिति (हावड़ा) के घनश्याम दास गुप्ता ने बाली अंचल के बस्ती इलाकों में जल-निकासी की व्यवस्था को त्वरित दुरस्त कर सैंकड़ों लोगों को नारकीय जीवन से निजात दिलाने का विधायक महोदय से विनम्र अनुरोध किया। अपने अभिनंदन से अभिभूत विधायक संजय सिंह अपने आसुओं को रोक नहीं पाये और उन्होंने कहा कि यह जीत सैकड़ों लोगों के त्याग और बलिदान के बदौलत हासिल हुई है जिसको किसी भी हाल में व्यर्थ नहीं जाने दिया जायेगा। सिंह ने अपने संकल्प 'भयमुक्त बाली विकसित बाली' का उल्लेख करते हुए कहा कि बाली भयमुक्त तो 4 मई को दोपहर 3 बजे बाद ही हो गया, अब बारी बाली के विकास की है तो इसके लिए भी काम शुरू हो गया है। थोड़ा वक्त जरूर लगेगा लेकिन जल्द ही बाली की जनता को सुखद जीवन यापन की अनुभूति होगी। सिंह ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं के सहयोग-समन्वय से यहां पर सामाजिक विकास और उत्थान की संभावनाओं को तलाश कर भी कार्य किया जायेगा। पूरे आयोजन के दौरान 'जय राम' के उद्घोष से वाता-वरण गूंजता रहा। गोविंद राम ढाणेवाल ने धन्यवाद ज्ञापन और सुरेश कुमार भुवालका ने पूरे आयोजन का भावपूर्ण संचालन किया। पूर्वांचल कल्याण आश्रम (हावड़ा महानगर) की बहनों ने जागृति गीत भी प्रस्तुत किया।

धोखाधड़ी का आरोप, आमता में तृणमूल पंचायत प्रधान के घर पर तोड़फोड़

❑ **सत्ता बदलते ही फूटा जनता का गुस्सा**

हावड़ा, समाज्ञा : राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही पूर्ववर्ती सत्तारूढ़ दल के नेताओं के खिलाफ जनता का गुस्सा जगह-जगह फूट रहा है। ताजा मामला आमता इलाके से सामने आया है, जहां भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोपों से नाराज ग्रामीणों ने तृणमूल कांग्रेस की पंचायत प्रधान के घर को घेरकर भारी तांडव मचाया। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी योजनाओं के नाम पर पंचायत प्रधान और उनके पति ने सालों तक गरीब जनता के पैसे हड़पे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह-सुबह हुए इस हमले के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। नाराज ग्रामीणों का कहना है कि राज्य में नई सरकार के आते ही अब वे अपने साथ हुए इस अन्याय के खिलाफ खुलकर सामने आ रहे हैं। यह पूरी घटना आमता के काशीमुली ग्राम पंचायत की है। इस दिन, सुबह में अचानक सैकड़ों ग्रामीणों ने काशीमुली पंचायत की टीएमसी प्रधान अंजलि दलुई के घर को चारों तरफ से घेर लिया। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। उग्र भीड़ ने प्रधान के घर पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे खिड़कियों के कांच चकनाचूर हो गए। यही नहीं, ग्रामीणों ने घर के बाहर लगे एयर कंडीशनर (एसी) और सीसीटीवी कैमरों को भी ठोक-ठोक कर पूरी तरह से तोड़ डाला। ग्रामीणों ने पंचायत प्रधान अंजलि दलुई और उनके पति पर पद का दुरुपयोग कर अवैध वसूली करने के कई गंभीर आरोप लगाए हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पहले वे डर के मारे कुछ नहीं बोल पाते थे, लेकिन राज्य के बदलते राजनीतिक हालातों के बीच उनका सब्र का बांध टूट गया। घटना की सूचना मिलते ही जयपुर थाने की पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने सूझबूझ से काम लेते हुए ग्रामीणों को वहां से हटाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इस पूरे बवाल और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर फिलहाल आरोपी पंचायत प्रधान अंजलि दलुई या उनके परिवार के किसी सदस्य की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

किसान ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगायी आग, अस्पताल ले जाते समय मौत

जालौन: उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के सिरसा कलार क्षेत्र में रविवार को एक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि सिरसा कलार थाना क्षेत्र के मऊ खुर्द निवासी ओंकार सिंह (58) नामक किसान ने अपने खेत में खुद पर पेट्रोल डाल लिया और आग लगा ली। उन्होंने बताया कि परिजन उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज उरई ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही ओंकार सिंह ने दम तोड़ दिया। बाजपेई ने बताया कि घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। किसान की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की असली ताकत : देवनानी

जयपुर: राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को कहा कि महिलाओं की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्य भारत की वास्तविक शक्ति हैं और देश महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देवनानी ने 'कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के एल शर्मा द्वारा संकलित पुस्तक 'गीता शर्मा: एन एक्स्ट्राऑर्डिनरी पर्सनैलिटी' का विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में प्राचीन काल से ही महिलाओं को शिक्षा, चिंतन और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्त रही है, जिसका उदाहरण वैदिक काल की विदुषी गार्गी और मैत्रेयी हैं।

झारखंड: दामोदर नदी में नहाते समय डूबने से एक लड़के की मौत, दूसरा लापता

रामगढ़: झारखंड के रामगढ़ जिले में रविवार को दामोदर नदी में नहाते समय एक लड़के की डूबने के कारण मौत हो गई और उसका साथी लापता हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि तीन किशोर लड़के यहां रौता गांव के पास नदी में नहाने गए थे और उसी समय यह घटना घटी। रामगढ़ के उपमंडल अधिकारी अनुराग कुमार तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''तीनों किशोरों में से 13 और 12 साल की उम्र के दो लड़के पानी में बहकर लापता हो गए, जबकि एक को स्थानीय लोगों ने बचा लिया था। लापता में से एक लड़के का शव बरामद कर लिया गया है।'

बलिया में महिला कर्मचारी को अश्लील संदेश भेजने के आरोप में बीडीओ निलंबित

बलिया (उप्र): बलिया जिले के पंदह क्षेत्र पंचायत के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को एक अधीनस्थ महिला कर्मचारी को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने और उत्पीड़न करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ओजस्वी राज ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महिला कर्मचारी की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी श्रवण कुमार गुप्ता को शनिवार को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निलम्बित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि महिला कर्मचारी ने आठ मई को शिकायती पत्र देकर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पर व्हाट्सऐप पर अश्लील संदेश भेजने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपों की जांच के लिए किशोर न्याय बोर्ड अध्यक्ष नंदिता के नेतृत्व में आठ सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। सीडीओ ने बताया कि समिति ने महिला कर्मचारी के बयान लेकर जांच के बाद मंगलवार को कार्रवाई की संस्तुति सहित रिपोर्ट सौंप दी थी।

उत्तर प्रदेश: विवाह का प्रस्ताव ठुकराने पर एक युवक ने नाबालिग लड़की का उत्पीड़न किया

हरदोई (उप्र): उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में विवाह का प्रस्ताव ठुकराने पर एक नाबालिग लड़की का अपहरण करके छेड़छाड़ करने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अतुल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय पीड़िता अपनी बहन के साथ दिल्ली में रहती है और तीन मई को अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए गांव आई थी। पीड़िता के मुताबिक, 11 मई की रात वह अपनी मां के साथ विवाह समारोह में शामिल हुई थी, तभी आरोपी उसे जबरन गांव के बाहर एक सुनसान जगह पर ले गया। लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपी लंबे समय से उस पर बात करने और शादी करने का दबाव बना रहा था। इनकार करने पर आरोपी ने कथित तौर पर उसे पेड़ से बांध दिया और डंडों, मुक्कों व लातों से बेरहमी से पीटा, इसके बाद उसने उसके साथ छेड़छाड़ की।

अदाणी समूह अगले कुछ वर्षों में बिहार में करेगा 50-60 हजार करोड़ रुपये का निवेश : गौतम अदाणी

गौतम अदाणी ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की

पटना: कारोबारी गौतम अदाणी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की और राज्य के विकास के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इससे पहले दिन में, अदाणी ने बिहार के सारण जिले में नेत्र अस्पताल के भूमि पूजन समारोह में भाग लिया। अदाणी ने यहां चौधरी के आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की, जिसे मुख्यमंत्री ने शिष्टाचार मुलाकात बताया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रसिद्ध उद्योगपति और अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी जी से शिष्टाचार मुलाकात हुई। उन्होंने बिहार के विकास के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।'

गौतम अदाणी सारण में नेत्र अस्पताल के 'भूमि पूजन' में शामिल हुए

देश के शीर्ष उद्योगपतियों में से एक गौतम अदाणी ने रविवार को बिहार के सारण जिले में एक नेत्र अस्पताल के शिलान्यास समारोह में हिस्सा लिया। इस अस्पताल के पूरा होने पर, प्रतिवर्ष 3.3 लाख तक सर्जरी की जाएंगी और 1,000 पेशेवरों को प्रशिक्षण प्राप्त होगा। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने बिहार की राजधानी पटना से करीब 70 किलोमीटर दूर मस्तीचक में स्थित 'अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल' के 'भूमि पूजन'' में हिस्सा लिया। इस अस्पताल के निर्माण के लिए अदाणी समूह ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) शाखा, अदाणी फाउंडेशन की ओर से 150 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई। उनके दौरे के दौरान उनकी पत्नी एवं अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रीति भी साथ थीं। उन्होंने कहा कि वह ''सेवा ही साधना है' के दर्शन में विश्वास करते हैं। अदाणी ने देश भर में दीर्घकालिक मानवीय और सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन को बढ़ावा देने के प्रयास में गैर-लाभकारी 'अखंड ज्योति फाउंडेशन' को '500 करोड़ रुपये की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता' की घोषणा की। समूह द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, नया 'अदाणी अखंड ज्योति फाउंडेशन' बिहार से परे भारत के वंचित क्षेत्रों में किफायती दृष्टि देखभाल और सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच का विस्तार करेगा।

मस्तीचक (बिहार): अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को कहा कि समूह अगले कुछ वर्षों में बिहार में 50,000 से 60,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने यह घोषणा सारण जिले में मस्तीचक में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी नयी परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान की। अदाणी ने कहा कि समूह की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाई अदाणी फाउंडेशन, अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के कार्यों को और मजबूती देने के लिए 150 करोड़ रुपये का सहयोग देगी। इस राशि से मस्तीचक में 'अदाणी सेंटर फॉर आई' (एसीई) और 'अदाणी ट्रेनिंग इन ऑप्थैल्मिक मेडिसिन' (एटीओएम) की स्थापना की जाएगी। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 10 एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिनके माध्यम से बिहार और आसपास के दूरदराज क्षेत्रों तक नेत्र चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। पत्रकारों से बातचीत में गौतम अदाणी ने कहा कि समूह पहले ही बिहार के सबसे बड़े निजी निवेशकों में शामिल हो चुका है और उसकी निवेश प्रतिबद्धता लगभग 40,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं में करीब 27,000 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा 2,400 मेगावाट क्षमता का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट शामिल है, जो बिहार में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा निवेश है। अदाणी ने कहा कि इंडियन ऑयल अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गया और नालंदा जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। वहीं, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड उत्तरी बिहार में करीब 30 लाख स्मार्ट मीटर लगाकर बिजली वितरण व्यवस्था को आधुनिक बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि समूह नवादा और मुजफ्फरपुर जिलों में 60-60 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता वाली दो सीमेंट ग्राइंडिंग इकाइयों का विस्तार भी कर रहा है, जिन पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये का संयुक्त निवेश किया जा रहा है। गौतम अदाणी ने कहा कि मस्तीचक में शुरू की जा रही इस पहल के तहत हर वर्ष लगभग 3.3 लाख नेत्र सर्जरी की जा सकेंगी। इसके अलावा, हर साल नेत्र देखभाल के क्षेत्र में 1,000 स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में दुनिया के सबसे बड़े नेत्र चिकित्सा नेटवर्क में से एक बन सकती है और भविष्य में इस तरह के अस्पतालों का विस्तार अन्य जिलों में भी किया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि 'अदाणी-अखंड ज्योति फाउंडेशन' बिहार सहित अन्य दूरदराज क्षेत्रों में भी सस्ती नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि इन पहलों पर कुल निवेश 700 करोड़ रुपये से अधिक होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में डॉ. प्रीति अदाणी तथा अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृत्युंजय तिवारी भी मौजूद थे। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह साझेदारी केवल भवनों और संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों तक दृष्टि, सम्मान, अवसर और आशा पहुंचाने का साझा संकल्प है।

भाजपा सरकार की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को 'अनर्थ-व्यवस्था' में बदला : अखिलेश

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को 'अनर्थ-व्यवस्था' में बदल दिया है। यादव ने यहां एक बयान ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में दिनदहाड़े लुटते सुनारों की सुरक्षा की समस्या अभी सुलझी नहीं थी कि तब तक 'सोनाबंदी' का व्यापार-चौपट करने वाला आह्वान आ गया और फिर सोने पर आयात शुल्क ढाई गुना बढ़ाने का फरमान।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवरात-गहनों के व्यापार में बड़ी कंपनियों के आ जाने से ये छोटे सुनार वैसे ही प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं कर पा रहे थे, अब उन्हें लग रहा है कि शायद बड़ी कंपनियों से ''एकमुश्त कमीशन लेने की कोशिश में ही भाजपा के लोगों ने युद्ध के बहाने, सोनाबंदी की बात की है।' यादव ने दावा किया, 'भाजपाई जानते हैं कि एक साल में तो लाखों सुनार चौपट होकर अपना काम बंद कर देंगे, तब ये बड़ी कंपनियां हर छोटे-बड़े शहर में अपने शोरूम खोलकर मनमाने दाम पर गहने बेचकर जनता को लूटेंगी और भाजपा को अकूत धन कमाकर देंगी।' यादव ने कहा, 'आज भाजपा की नीतियों के मारे स्वर्णकार समाज की इन समस्याओं को सुनकर लगा कि सबसे अधिक धन लगाकर व्यापार करने वाले लोगों के चमचमाते शोरूम और जेवरात की दुकानों की चमक जब धूमिल हो गई है तो बाक़ी दूसरे काम-कारोबार का क्या।'

प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना समाज और देश की जिम्मेदारी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि यदि समाज का एक भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो उसके दुष्परिणाम पूरे देश को लंबे समय तक भुगतने पड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान समारोह और चेक वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, विवाद ईरान और अमेरिका के बीच है, लेकिन लगभग 200 देश इसके प्रभावों को झेल रहे हैं और दुनिया भर के करीब 800 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे हैं। समाज में भी यही स्थिति होती है। यदि कोई एक व्यक्ति शिक्षा से वंचित रह जाता है, तो पूरे समाज और देश को लंबे समय तक इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल भेजना समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने अंशकालिक अनुदेशकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर हमेशा संयम और अनुशासन का परिचय दिया है तथा कभी भी हिंसा या दबाव की राजनीति का सहारा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय कमी आई है। आदित्यनाथ ने कहा, पहले राज्य में ड्रॉपआउट दर लगभग 17 से 18 प्रतिशत थी। यानी हर 100 बच्चों में से 17 या 18 बच्चे समय से पहले स्कूल छोड़ देते थे। आज इसे घटाकर लगभग तीन प्रतिशत कर दिया गया है और हमारा लक्ष्य इसे शून्य तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए सभी तक शिक्षा पहुंचाना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में अगले 24 घंटे में ऊष्ण लहर चलने का अनुमान: आईएमडी

लखनऊ : 17 मई (भाषा) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि अगले 24 घंटे के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में ऊष्ण लहर चलने का अनुमान है। राज्य में भीषण गर्मी के बीच बांदा 46.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म स्थान रहा। आईएमडी के अनुसार रविवार दोपहर को राज्य के कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। झांसी में 44.6 डिग्री, प्रयागराज में 44.5 डिग्री, हमीरपुर में 44.2 डिग्री, उरई में 43.8 डिग्री, सुल्तानपुर में 43.3 डिग्री और वाराणसी (बीएचयू) में 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि राज्य में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की बहुत अधिक संभावना है। रविवार को जारी मौसम चेतावनी में कहा गया है कि प्रयागराज, गाजीपुर, उरई और आगरा में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि इटावा और मेरठ में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा।

लखनऊ में 'अवैध' चैंबर ढहाए जाने का विरोध कर रहे वकीलों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ: लखनऊ नगर निगम द्वारा वजीरगंज क्षेत्र में वकीलों के कथित अवैध चैंबर गिराए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने रविवार को हल्का बल प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने घटना की निंदा करते हुए इसे अन्याय करार दिया और कथित लाठीचार्ज में घायल वकीलों के मुफ्त इलाज की मांग की। पुलिस के बयान के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए नगर निगम ने अदालत परिसर और उसके आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह इलाका वजीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। बयान में कहा गया है, कुछ उपद्रवी तत्वों ने विरोध प्रदर्शन करके कार्रवाई में बाधा डालने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आवश्यक बल प्रयोग किया। इसके बाद अवैध अतिक्रमण शांतिपूर्वक हटा दिए गए। पुलिस ने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है, हालांकि एहतियात के तौर पर घटनास्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने कहा, लखनऊ में वकीलों के चैंबर बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए तोड़ना और विद्वान अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज करना बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है।

बिहार शिक्षा विभाग ने स्कूलों से बैग के वजन के संबंध में एनसीईआरटी के निर्देशों का पालन करने को कहा

पटना: बिहार शिक्षा विभाग ने सभी निजी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए कहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्कूल बैग का कुल वजन बच्चे के वजन के 10 प्रतिशत से अधिक न हो। विभाग ने स्कूलों को यह भी निर्देश दिया है कि परिसर में वजन मापने की मशीन लगाई जाएं, ताकि नियमित रूप से बैग का वजन जांचा जा सके। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी निजी स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''राज्य के सभी निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को एनसीईआरटी स्कूल बैग नीति, 2020 का पालन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्कूल बैग का वजन बच्चे के वजन के 10 प्रतिशत से अधिक न हो। इस कदम का उद्देश्य छात्रों पर शारीरिक बोझ को कम करना है।'' मंत्री ने कहा कि विद्यालय में बैग के वजन की नियमित निगरानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थानों को छात्रों को अनावश्यक पठन-पाठन सामग्री स्कूल लाने से रोकने के लिए उपयुक्त समय-सारिणी बनानी चाहिए। तिवारी ने कहा, 'यह निर्णय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशों के बाद लिया गया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अभिभावकों और छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य की शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, न्यायसंगत और सुलभ बनाने के लिए कदम उठा रही है।'' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने हाल में निजी स्कूलों को मनमानी और अनुचित शुल्क वृद्धि के खिलाफ आगाह किया है और कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'' मंत्री ने कहा कि स्कूल के छात्रों का अच्छा स्वास्थ्य और तनाव-मुक्त मन राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि हर स्कूल, चाहे उसका प्रबंधन किसी भी प्रकार का हो, बच्चों के हित में स्कूल बैग नीति का पालन सुनिश्चित करे। स्वास्थ्य, शारीरिक शिक्षा और कला शिक्षा ऐसे क्षेत्र हैं, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करते हैं। इन्हें समय-सारिणी में पर्याप्त स्थान दिया जाना चाहिए।'

इफ्तार के बाद बचा हुआ मांसाहारी भोजन गंगा में फेंकने से धार्मिक भावनाएं हो सकती थीं: उच्च न्यायालय

प्रयागराज: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि गंगा नदी में बचा हुआ मांसाहारी भोजन फेंकने से हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती थीं। वाराणसी में नाव पर आयोजित इफ्तार पार्टी के दौरान बचा हुआ भोजन गंगा में फेंकने के आरोपी पांच लोगों को जमानत देते हुए न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला ने कहा, आरोपी अपने कृत्य के लिए खेद व्यक्त कर चुके हैं और उनके परिवारों ने भी समाज को हुई पीड़ा पर अफसोस जताया है। अदालत ने कहा, मामले के समस्त तथ्यों और परिस्थितियों, आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड न होने, अब तक जेल में बिताई गई अवधि और खेद व्यक्त किए जाने के मद्देनजर प्रथम दृष्टया जमानत दी जानी चाहिए। 15 मई को पारित आदेश में न्यायमूर्ति शुक्ला ने आरोपी मोहम्मद आजाद अली, मोहम्मद तहसीम, निहाल आफरीदी, मोहम्मद तौसीफ अहमद और मोहम्मद अनस को जमानत दी। मामला मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी से जुड़ा है। अदालत ने कहा, मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर उक्त इफ्तार पार्टी के दौरान मांसाहारी भोजन किए जाने और बचा हुआ खाना गंगा नदी में फेंके जाने का आरोप है। अदालत का मानना है कि यह कृत्य हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला माना जा सकता है। 17 मार्च 2026 से जेल में बंद आरोपियों ने अपने कृत्य पर खेद जताते हुए भविष्य में ऐसा कार्य दोबारा नहीं करने का आश्वासन दिया है। इसी मामले में न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने 15 मई को तीन अन्य आरोपियों मोहम्मद समीर, मोहम्मद अहमद रजा और मोहम्मद फैजान को भी जमानत दे दी थी। प्राथमिकी 16 मार्च को वाराणसी में भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रजत जायसवाल की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इस घटना से हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

राजस्थान के बूंदी में पानी से भरी पत्थर की खदान में डूबने से महिला और उसके चार वर्षीय बेटे की मौत

कोटा: राजस्थान में बूंदी जिले के एक गांव में बारिश के पानी से भरी एवं बंद पड़ी पत्थर खदान में डूबने से एक महिला और उसके चार वर्षीय बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर महिला गुड़ा गांव स्थित पत्थर खदान के पास कपड़े धो रही थी, तभी उसका बेटा सोनू फिसलकर पानी में गिर गया और बेटे को बचाने के प्रयास में महिला भी पानी में कूद गई। डाबी थाने के प्रभारी हेमराज शर्मा ने बताया कि सुनकी नामक महिला के चार अन्य बच्चे भी पास ही खेल रहे थे और घटना में सुनकी तथा उसके बेटे सोनू की मौत हो गई। शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए।

न्यूज अपडेट

नागौर में बस और कार की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

जयपुर: राजस्थान के नागौर जिले में रविवार को रोडवेज बस और एक कार की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। कुचेरा थाना प्रभारी हबीब खान ने बताया कि मेड़ता-कुचेरा मार्ग पर हुई यह टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पाली पुलिस में तैनात कांस्टेबल अमरीश पुरी (28), उमेश पुरी उर्फ आकाश (26), रुकमा देवी (50) और नीटू (22) के रूप में हुई है। ये सभी जोधपुर जिले के बोरूंदा क्षेत्र के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि बस में सवार चार यात्री भी घायल हुए हैं, जिनका जोधपुर में इलाज चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, कार सवार सभी लोग बुटाटी धाम से दर्शन कर घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही रोडवेज बस से उनकी टक्कर हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसाराम और अन्य अधिकारी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर राहत एवं बचाव कार्य किया तथा मलबे में फंसे शवों को बाहर निकाला। घायलों को कुचेरा और मेड़ता सिटी के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शवों को कुचेरा अस्पताल के शवगृह में रखवाकर मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का कारण माना जा रहा है।

बिना वीजा के भारत में प्रवेश करने पर चीनी नागरिक बिहार में गिरफ्तार

मोतिहारी (बिहार): बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस ने कथित तौर पर वैध यात्रा दस्तावेज, जिनमें वीजा भी शामिल है, न रखने के आरोप में एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार को नेपाल से भारत में प्रवेश करते समय सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने रक्सौल में याओ शुझांग नाम के चीनी नागरिक को पकड़ा। चीन के शेंडोंग प्रांत के निवासी शुझांग को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया, जिसने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। हरैया थाने के प्रभारी किशन पासवान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा,'प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह व्यक्ति खिलौनों का व्यवसाय करता है और अपने व्यावसायिक कार्यों के लिए भारत के लोगों को काम पर रखना चाहता था।' शुझांग के पास चीनी अधिकारियों द्वारा जारी किया गया पासपोर्ट था। पासवान ने कहा, 'एसएसबी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।' अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी भी उससे पूछताछ कर रहे हैं।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एसयूवी पलटी, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जयपुर: राजस्थान के बालोतरा जिले में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार को तेज रफ्तार एसयूवी के अनियंत्रित होकर पलट जाने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एसयूवी में सवार सभी लोग गुजरात से रामदेवरा दर्शन के लिए जा रहे थे। यह हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग सड़क से दूर झाड़ियों में जा गिरे। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुई। प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने के कारण वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने की आशंका जताई गई है। पुलिस के मुताबिक, वाहन में गुजरात के धानेरा तहसील के थावर गांव निवासी अशोक, कमलेश, अजमल, हितेश, योगेश और आठ वर्षीय आयुष सवार थे। इस हादसे में अजमल (35), हितेश (32) और योगेश (18) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कमलेश (25), अशोक (20) और आयुष (8) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

पुरुषोत्तम मास शुरू, काशी-मथुरा के मंदिरों में विशेष आयोजन और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

वाराणसी/मथुरा: पुरुषोत्तम मास यानी अधिक मास रविवार से शुरू हो गया, जो 15 जून तक चलेगा। उत्तर प्रदेश के काशी, मथुरा और संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में इस अवसर पर विशेष धार्मिक तैयारियां की गई हैं। मंदिरों में एक माह तक पूजा-अर्चना, धार्मिक उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी। ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ हुए इस मास को भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास में व्रत, दान और पूजा का विशेष महत्व होता है। श्रद्धालु इस अवधि में भगवान विष्णु की आराधना कर सुख-समृद्धि और मोक्ष की कामना करते हैं।वाराणसी के गोदौलिया स्थित प्राचीन पुरुषोत्तम मंदिर के महंत शंकर दीक्षित ने बताया कि अधिक मास में भगवान पुरुषोत्तम के दर्शन और पूजा से भक्तों को दुखों से मुक्ति मिलती है और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान भगवान विष्णु को मालपुआ का भोग लगाया जाता है तथा 33 नामों के साथ विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।महंत ने बताया कि अधिक मास भगवान विष्णु को समर्पित होने के कारण इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और भूमि क्रय जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते।मथुरा और वृंदावन में 17 मई से 15 जून तक विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु ब्रज 84 कोस परिक्रमा, गोवर्धन सप्तकोसीय परिक्रमा और वृंदावन पंचकोसीय परिक्रमा में शामिल होंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं को होली, दिवाली, जन्माष्टमी, गोवर्धन पूजा और शरद पूर्णिमा जैसे प्रमुख उत्सवों की झलक भी देखने को मिलेगी।ब्रज क्षेत्र के मंदिरों में पूरे माह विशेष श्रृंगार, झांकियां, भजन संध्या और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नंदगांव, बरसाना और वृंदावन के मंदिरों में रथ यात्रा, हरियाली तीज, नाग पंचमी, दानलीला, नृसिंह चतुर्दशी और जन्माष्टमी सहित कई आयोजन होंगे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं।

गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा लगाने में देरी के विरोध में सपा विधायक ने खून से लिखा पत्र

कानपुर: समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अमिताभ बाजपेयी ने स्वतंत्रता सेनानी एवं पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा स्थापित करने में कथित देरी के विरोध में रविवार को खून से पत्र लिखकर प्रदर्शन किया। आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अमिताभ बाजपेयी मॉल रोड स्थित स्मारक स्थल पर प्रतिमा के लिए बनाए गए चबूतरे के पास नंगे पैर और बनियान पहनकर पहुंचे। वहां उन्होंने खून से लिखे पत्र में सवाल किया, मूर्ति कहां है? कब लगेगी? बाजपेयी ने बाद में घोषणा की कि वह यह पत्र सोमवार को डाक के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजेंगे। यह घटना उस प्रदर्शन के एक सप्ताह बाद हुई है, जब बाजपेयी ने कानपुर के परमट क्षेत्र में ध्वस्त किए गए एक प्राथमिक विद्यालय के पुनर्निर्माण में कथित देरी के विरोध में सार्वजनिक रूप से अपना कुर्ता और चप्पल उतार दी थी। सपा विधायक ने संकल्प लिया है कि विद्यालय का पुनर्निर्माण होने तक वह नंगे पैर और बिना कुर्ते के रहेंगे। उनका आरोप है कि पुराने भवन को गिराए जाने के बाद भूमि माफिया विद्यालय की जमीन पर नजर गड़ाए हुए हैं। कानपुर के आठ विधायकों में से एक अमिताभ बाजपेयी ने प्रशासन पर मामले में निष्क्रियता का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर वह पहले भी कई पत्र लिख चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' प्रणाली त्रुटिरहित और अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप : शिक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12वीं की परीक्षाओं में 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) प्रणाली से अंकों पर असर पड़ने की चिंताओं को रविवार को खारिज किया और पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तर पुस्तिका सत्यापन शुल्क घटाकर 100-100 रुपये करने की घोषणा की। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला विद्यार्थियों की चिंता कम करने के लिए लिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ओएसएम पूरी तरह त्रुटिहित है और पारदर्शी मूल्यांकन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जाने वाली पद्धति है। स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कक्षा 12वीं की 98 लाख उत्तर पुस्तिकाएं स्कैन की गईं और इस प्रक्रिया में सुरक्षा के तीन स्तर अपनाए गए। हालांकि, बार-बार स्कैन के बावजूद कुछ उत्तरपुस्तिकाओं में लिखावट स्पष्ट नहीं हो पा रही थी, क्योंकि उनमें इस्तेमाल की गई स्याही का रंग बहुत हल्का था। स्कैन के बाद भी उन उत्तरपुस्तिकाओं को पूरी तरह पढ़ने योग्य नहीं बनाया जा सका। उन्होंने कहा, 'ऐसे मामलों में परीक्षकों को उत्तर पुस्तिकाएं हाथ से जांचने और उसी के अनुसार अंक देने के निर्देश दिए गए। 13,000 से अधिक ऐसी उत्तर पुस्तिकाएं अलग से चिह्नित कर हाथ से जांची गईं और अंक प्रणाली में दर्ज किए गए।' उन्होंने ने कहा, ''सुरक्षा स्तर और संबंधित मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' के माध्यम से की गई जांच सटीक, पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।' कुमार की ये टिप्पणियां छात्रों और अभिभावकों द्वारा जताई जा रही इन चिंताओं के बीच आई हैं कि कक्षा 12 में उत्तीर्ण प्रतिशत और अंकों में गिरावट का कारण ओएसएम है जिसे सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में पहली बार लागू किया गया है।

सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति के कार्यान्वयन के समय, तैयारियों को लेकर सवाल उठे

नयी दिल्ली: शिक्षाविदों और अभिभावकों के एक वर्ग ने कक्षा नौ के छात्रों के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की त्रि-भाषा नीति के कार्यान्वयन के समय पर चिंता जताते हुए स्कूलों की तैयारियों को लेकर सवाल उठाए हैं। सीबीएसई ने शुक्रवार को नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए इस साल एक जुलाई से कम से कम दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं को अनिवार्य कर दिया है, जबकि स्कूलों में नये शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षाएं और यूनिट टेस्ट पहले ही शुरू हो चुके हैं। माउंट आबू स्कूल की प्रधानाचार्या ज्योति अरोड़ा ने कहा कि यह नीति अचानक से लागू कर दी गई। उन्होंने कहा कि सुचारु कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत ढांचे के भीतर अंग्रेजी की स्थिति पर अधिक स्पष्टता की जरूरत है। अरोड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि सीबीएसई का त्रि-भाषा फॉर्मूला बेशक राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है, जो एक बहुत ही प्रगतिशील दस्तावेज है, लेकिन शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद इसके कार्यान्वयन ने हितधारकों के बीच बेचैनी पैदा कर दी है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

बेंगलुरु: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु और मुंबई के बीच एक ट्रेन सेवा को डिजिटल रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कहा कि यह नयी सेवा कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बयान के अनुसार, रेल मंत्री ने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक के लोगों की लंबित मांगें अब पूरी की जा रही हैं। वैष्णव ने कहा कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे के विकास का उल्लेख करते हुए, वैष्णव ने कहा कि हाल के वर्षों में रेलवे के लिए धन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिससे कर्नाटक भर में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 2,160 करोड़ रुपये की लागत से 61 स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है जिनमें से नौ स्टेशन पहले ही पूरे हो चुके हैं। रेल मंत्री ने कहा कि बेंगलुरु छावनी स्टेशन का 485 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है जबकि यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन किया जा रहा है। 2014 से कर्नाटक में लगभग 1,750 किलोमीटर नयी रेलवे लाइन बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि हासन-मंगलुरु खंड पर विद्युतीकरण कार्य पूरा हो चुका है और परीक्षण कार्य जारी है। बेंगलुरु उपनगरीय रेलवे परियोजना के संबंध में उन्होंने कहा कि चारों कॉरिडोर पर कार्य प्रगति पर है। बैयप्पनहल्ली-चिक्कबनवारा और हीलालिगे-राजानुकुंटे कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है और स्टेशन का निर्माण कार्य जारी है। मंत्री ने कहा कि उपनगरीय रेल नेटवर्क हवाई अड्डे, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, मराठाहल्ली और हेब्बल सहित प्रमुख केंद्रों को एकीकृत करेगा। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में वर्तमान में वंदे भारत ट्रेन की 12 जोड़ियां संचालित हो रही हैं। बेंगलुरु-मंगलुरु मार्ग पर परीक्षण जारी है, जिससे मडगांव तक तटीय संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। वैष्णव ने यह भी बताया कि बेंगलुरु को हैदराबाद और चेन्नई से जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि मुंबई, बेंगलुरु और अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ने की दीर्घकालिक योजना के तहत, हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का विस्तार 7,000 किलोमीटर तक होने की संभावना है।

उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या चार और बढ़ाने के लिए अध्यादेश जारी

नयी दिल्ली: सरकार ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया है। शीर्ष अदालत के मौजूदा न्यायाधीशों की संख्या में प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हैं। विधि मंत्रालय ने शनिवार को अध्यादेश अधिसूचित किया, जिसमें उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन कर शीर्ष अदालत की स्वीकृत संख्या में वृद्धि की गई है। अब तक, प्रधान न्यायाधीश सहित उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 थी। अब न्यायाधीशों की संख्या में चार की वृद्धि की गई है, जिससे स्वीकृत संख्या 38 हो गई है। फिलहाल, शीर्ष अदालत में दो पद रिक्त हैं और अध्यादेश के तत्काल प्रभाव से लागू होने के बाद, उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम को अब शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए छह नामों की सिफारिश करनी होगी।

दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मियों से सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने को कहा

नयी दिल्ली: ईंधन की खपत और अनावश्यक खर्चों में कटौती की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद दिल्ली पुलिस ने अपने कर्मियों, खास तौर पर पुलिस मुख्यालय और उन कार्यालयों में तैनात कर्मियों को, नियमित आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है, जहां मेट्रो या बस से पहुंचने की सुविधा उपलब्ध है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस मुख्यालय की सामान्य प्रशासन शाखा (जीएबी) ने वरिष्ठ अधिकारियों की मंजूरी से कई निर्देश जारी किए हैं, जिनमें वाहनों का इस्तेमाल कम करने, बिजली की खपत घटाने और बल के सभी जिलों एवं विशेष इकाइयों में सरकारी संसाधनों का किफायती इस्तेमाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 13 उपाय शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर: राजौरी के सीमावर्ती गांव में तोप का गोला पाया गया, सुरक्षा बलों ने नष्ट किया

राजौरी/जम्मू: जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के एक सीमावर्ती गांव में एक उच्च विस्फोटक क्षमता वाला तोप का गोला पाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौशेरा उपमंडल के धनाका गांव के स्थानीय लोगों ने रविवार को गोले को देखा और सुरक्षा बलों को सूचना दी। इसके बाद, पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर विशेषज्ञों द्वारा गोले की तकनीकी जांच की गई। बाद में सेना की बम निरोधक इकाई ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से गोले को नष्ट कर दिया।

केरल: नामित मुख्यमंत्री सतीशन ने सोमवार को साथ शपथ लेने वाले मंत्रियों के नामों की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम: केरल के नामित मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सदस्यों के नामों की घोषणा रविवार को की। सतीशन और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य सोमवार को शपथ ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेताओं के साथ चर्चा के बाद मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दिया गया है और इस दौरान गठबंधन के भीतर सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा गया है। सतीशन ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं रमेश चेन्नितला, के मुरलीधरन और सनी जोसेफ को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। केरल की सत्ता पर 10 साल बाद काबिज होने जा रहे कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने वरिष्ठ विधायक थिरुवन्चूर राधाकृष्णन को विधानसभा अध्यक्ष नामित करने का फैसला किया गया, जबकि शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगी। सतीशन ने कहा कि कांग्रेस को 63 सीटें मिलने के बावजूद कई योग्य नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल सकी। उन्होंने इसे राज्य में पार्टी की सबसे बड़ी जीत में से एक बताया। नामित मुख्यमंत्री ने कहा, 'सूची में शामिल और सूची से बाहर भी कई योग्य नेता हैं। लेकिन कांग्रेस जैसी पार्टी को ऐसे निर्णय लेते समय सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और कई अन्य कारकों पर विचार करना होता है।'

गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो गया : अमित शाह

गांधीनगर: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल चुनावों में भाजपा की हालिया जीत की सराहना की तथा कहा कि पार्टी और उसके राजग सहयोगी अब देश के 80 प्रतिशत भूभाग पर शासन कर रहे हैं। गांधीनगर नगर निगम के लिए 620 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी अपना खाता भी नहीं खोल पाई। शाह ने कहा कि गुजरात में भाजपा की 'विकास की अजेय यात्रा' नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई और बाद में इसे पूर्व मुख्यमंत्रियों आनंदीबेन पटेल और विजय रूपाणी तथा वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा आगे बढ़ाया गया। शाह ने कहा, ''भाजपा के इस विकास-समर्थक दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप, हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का पूर्णतः सफाया हो गया। चाहे हम दूरबीन से दूर-दूर तक ही क्यों न देखें, कांग्रेस कहीं नजर नहीं आती।' उन्होंने कहा, 'आम आदमी पार्टी के लोग, जो 'हम यह जीतेंगे, हम वह जीतेंगे' का दावा कर रहे थे, दिल्ली में बुरी तरह हार गए, और यहां तो वे खाता भी नहीं खोल पाए।' शाह ने लोगों से घनिष्ठ संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे पार्टी में जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। कोविड-19 महामारी के दौर को याद करते हुए शाह ने कहा कि गुजरात भर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा की। उन्होंने कहा, ''जिन नगर निगमों में चुनाव हुए, उन सभी में हमने जीत हासिल की। 84 नगरपालिकाओं में से भाजपा ने 77 में जीत दर्ज की। 34 जिलों में चुनाव हुए, जिनमें से भाजपा ने 33 जिलों में जीत हासिल की और 260 तालुका पंचायतों में से भाजपा ने 253 में जीत दर्ज की।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र करते हुए शाह ने गुजरात में कांग्रेस की संभावनाओं पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी यहां कार्यकर्ताओं का सम्मेलन कर रहे थे और कह रहे थे 'अगली बारी कांग्रेस की'। उन्हें समझ लेना चाहिए कि अगले सात जन्मों तक भी कोई मौका नहीं है।'

ओडिशा के सोरो रेलवे स्टेशन पर 19 बच्चों को बचाया गया

बालासोर (ओडिशा): ओडिशा के बालासोर जिले के सोरो रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने 19 नाबालिगों सहित 27 लोगों को बचाया है। पुलिस को संदेह था कि इन्हें तस्करी कर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को घटी जब एक समूह मयूरभंज जिले के कपतीपाड़ा और आसपास के इलाकों से बस से सोरो स्टेशन पहुंचा ताकि अंगुल जाने वाली ट्रेन पकड़ सके। उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर रेलवे पुलिस ने उन्हें रोका और समूह के दो लोगों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, उन्होंने बताया कि समूह रविवार से अंगुल में शुरू होने वाले तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिक्षा शिविर में भाग लेने जा रहा था। हालांकि, पुलिस को यह स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगा और उन सभी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि समूह के साथ आए दो वयस्कों से पूछताछ की जा रही है, जबकि बच्चों को बालासोर के एक बाल देखभाल केंद्र में भेज दिया गया है।

कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में हथिनी ने दिया जुड़वां शावकों को जन्म

नैनीताल: उत्तराखंड के कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में एक हथिनी ने स्वस्थ जुड़वां शावकों को जन्म दिया है। वन्यजीव विशेषज्ञ इसे बेहद दुर्लभ घटना मान रहे हैं, जबकि इस खबर से पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह है। कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के गर्जिया पर्यटन क्षेत्र में जुड़वां शावकों के जन्म के बाद वन विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि हथिनी और उसके नवजात शावकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसकी जानकारी तब मिली जब वन्यजीव प्रेमी संजय छिमवाल ने जंगल सफारी के दौरान कैमरे से हथिनी के परिवार की तस्वीरें लीं। छिमवाल ने मंगलवार को पहली बार दोनों शावकों को देखा। उन्होंने कहा, 'दोनों शावक अपनी मां के साथ सुरक्षित थे और दूध पीते नजर आए। यह नजारा बेहद अनोखा और रोमांचक था।' अधिकारियों के मुताबिक, उत्तराखंड में सबसे ज्यादा हाथी कॉर्बेट क्षेत्र में हैं और यहां हाथियों की आबादी 1,200 से अधिक दर्ज है। राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक साकेत बडोला ने कहा कि कॉर्बेट बाघ अभयारण्य और शिवालिक हाथी अभयारण्य हाथी संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि जुड़वां शावकों का जन्म इस क्षेत्र में सकारात्मक, सुरक्षित और स्वस्थ वन्यजीव पर्यावरण का संकेत है। बडोला ने कहा कि हथिनी का गर्भकाल 22 से 24 महीने का होता है। उन्होंने कहा कि इतने लंबे गर्भकाल के बाद जुड़वां शावकों का जन्म असाधारण घटना है, क्योंकि हाथी आमतौर पर एक ही शावक को जन्म देते हैं।

राजकोट हवाई अड्डे पर एटीएस ने पांच करोड़ रुपये मूल्य की 180 किलोग्राम चांदी जब्त की

राजकोट: गुजरात के राजकोट स्थित हीरासर हवाई अड्डे पर राज्य के आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) ने पांच करोड़ रुपये मूल्य की 180 किलोग्राम चांदी की खेप जब्त की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस को राजकोट हवाई अड्डे पर हवाई कार्गो के माध्यम से बड़ी मात्रा में चांदी लाए जाने के संबंध में सूचना मिली थी, जिसके बाद स्थानीय अपराध शाखा को सतर्क किया गया था। गुजरात एटीएस के उपाधीक्षक वीरजीत परमार ने बताया, 'स्थानीय अपराध शाखा के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। लगभग 180 किलोग्राम चांदी, जिसकी कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये है, को जब्त किया गया और इच्छित प्राप्तकर्ता की उपस्थिति में खेप की जांच की गई।' परमार ने बताया कि यह खेप वाराणसी स्थित 'सनराइज' नामक फर्म से भेजी गई थी, और प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इससे संबंधित दस्तावेज अधूरे थे, जिससे संभावित कर चोरी का संदेह पैदा होता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना : मुंबई के विक्रोली में पहली 'टनल बोरिंग मशीन' का 'कटरहेड' नीचे उतारा गया

मुंबई: मुंबई के पूर्वी उपनगर विक्रोली में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत सुरंग निर्माण के लिए पहली 'टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम)' का 'कटरहेड' (खुदाई करने वाला उपकरण) नीचे उतारा गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने रविवार को यह जानकारी दी। एनएचएसआरसीएल के बयान के अनुसार, 13.6 मीटर व्यास और 350 टन वजन वाले 'कटरहेड' को नीचे उतारा गया, जो हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना के लिए टीबीएम को भूमिगत शील्ड की प्राथमिक असेंबली का अंतिम चरण है। बयान में कहा गया है कि 21 किलोमीटर लंबी सुरंग के 16 किलोमीटर खंड के निर्माण के लिए, दो टीबीएम मशीन को जोड़ा जा रहा है, जिनमें से प्रत्येक का वजन 3,000 टन से अधिक है। इस खंड में ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर लंबी समुद्री सुरंग भी शामिल है, जो भारत की पहली समुद्री रेल सुरंग होगी। बयान में कहा गया है, ''टीबीएम देश में रेल सुरंग निर्माण के लिए अब तक तैनात की गई सबसे बड़ी मशीन है। इसके 'कटरहेड' को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की 'अप' और 'डाउन' दोनों लाइन को समाहित करने के लिए पर्याप्त बड़ी सुरंग की खुदाई कर सके।'

ओडिशा पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया; गांजा, 20 हथियार जब्त

भुवनेश्वर: ओडिशा पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान 3,000 किलोग्राम से अधिक गांजा, 20 बिना लाइसेंस वाली बंदूकें और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त की तथा 1,771 लोगों को गिरफ्तार किया। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) योगेश बहादुर खुराना के निर्देश पर ओडिशाभर में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और पुलिस आयुक्तों के नेतृत्व में 12 से 16 मई तक पांच दिवसीय अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) संजय कुमार ने अभियान की निगरानी की। बयान में कहा गया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को लागू करना, लंबित मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करना, मादक पदार्थों (गांजा और ब्राउन शुगर) की तस्करी को रोकना, अवैध हथियारों और खनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों को जब्त करना और नशे में वाहन चलाने वालों पर नकेल कसना था। खुराना ने यहां पत्रकारों से कहा, 'ओडिशा पुलिस का विशेष अभियान सफल रहा। हमने पांच दिन के दौरान 1,700 से अधिक गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं, छह लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया गया है और 50 फरार आरोपियों को पकड़ा।'

राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक, सीबीएसई मूल्यांकन विवाद को लेकर धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना

नयी दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक विवाद और सीबीएसई मूल्यांकन संबंधी चिंताओं के बीच रविवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लाखों बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों में लागू की जा रही तीन-भाषा नीति के क्रियान्वयन को लेकर भी धर्मेंद्र प्रधान पर हमला बोला। गांधी ने इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए मोदी से पूछा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक होने के बावजूद वह उन्हें (प्रधान को) बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहले नीट पेपर लीक हुआ, जिससे 22 लाख छात्र प्रभावित हुए। फिर सीबीएसई की कक्षा 12वीं के छात्रों को खराब ओएसएम व्यवस्था के कारण अप्रत्याशित रूप से कम अंक मिले-जिनमें से कई ने कॉलेज में दाखिला लेने की पात्रता खो दी।' उन्होंने पोस्ट में कहा,'अब सीबीएसई की कक्षा 9वीं के लाखों छात्रों को अचानक एक जुलाई से एक नयी भाषा सीखने के लिए कहा गया है, जबकि इसके लिए न तो शिक्षक उपलब्ध हैं और न ही पाठ्यपुस्तकें। 14 साल के छात्रों को अस्थायी व्यवस्था के तहत कक्षा छठी की किताबें दी जा रही हैं।'' गांधी ने आरोप लगाया कि धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों के हर आयु वर्ग को निराश किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''तीन परीक्षाएं। तीन आयु वर्ग। एक मंत्री। धर्मेंद्र प्रधान जी ने एक बार नहीं, बल्कि एक साथ भारत के हर आयु वर्ग के छात्रों को पूरी तरह निराश किया है।'' गांधी ने कहा, 'हर घोषणा बच्चों को अनिश्चितता के गहरे सागर में धकेल रही है। हर विफलता पर कोई दंड नहीं दिया जाता। शिक्षा मंत्रालय आपदाओं का विभाग बन गया है।' 'प्रधान को बर्खास्त करो' हैशटैग के साथ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी-क्या आप कम से कम उन लाखों बच्चों से माफी मांग सकते हैं, जिनका भविष्य आपने और आपके मंत्री ने बर्बाद कर दिया है? गांधी ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'नीट 2024: पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया।

असम: सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई में म्यांमा का एक कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी: स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने सीमा पार से 'मेथामफेटामीन' और 'हेरोइन' की तस्करी में शामिल म्यांमा के एक कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार किया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में बताया गया कि यह गिरफ्तारी शनिवार को ब्यूरो द्वारा भारत-म्यांमा सीमा पर सक्रिय अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क पर की जा रही निरंतर कार्रवाई के तहत व्यापक निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने, अंतरराज्यीय समन्वय के बाद की गई। बयान के मुताबिक, आरोपी की पहचान थानसिंटुआंग उर्फ चिंटुआंग उर्फ तलुआंग के रूप में हुई है और वह 2026 में एनसीबी द्वारा पकड़ा गया म्यांमा का दूसरा कुख्यात तस्कर है। बयान में बताया गया कि चिनतुआंग म्यांमा-मिजोरम-मणिपुर-असम-त्रिपुरा गलियारे पर सक्रिय कुख्यात तस्करों में से एक के रूप में उभरा था और पड़ोसी देश से 'मेथामफेटामीन' और 'हेरोइन' के एक कुख्यात अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में उसकी पहचान की गई है।

झारखंड, पश्चिम बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का अनुमान

रांची/कोलकाता/तिरुवनंतपुरम: भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने झारखंड, पश्चिम बंगाल और केरल के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश, आंधी, वज्रपात और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार, झारखंड में 18 से 23 मई तक हल्की से मध्यम बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, 18 से 20 मई तक गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। इसके बाद, 21 मई को राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली कड़कने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जबकि 21 से 23 मई तक गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार को छोड़कर राज्य के कई हिस्सों में बारिश होगी। रांची स्थित आईएमडी के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने कहा कि अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। पिछले 24 घंटों में, पश्चिम सिंहभूम जिले के मंझारी में अधिकतम 18 मिमी वर्षा दर्ज की गई और धनबाद के मैथन, डीवीसी में 7.4 मिमी वर्षा हुई। पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया अधिकतम तापमान पलामू जिले के डाल्टनगंज में 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद सरायकेला में 40.4 डिग्री सेल्सियस और जमशेदपुर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम बंगाल के दक्षिणी इलाकों में रविवार शाम कई जिलों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है, वहीं कोलकाता में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोलकाता का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस अर्थात सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था। स्थानीय मौसम कार्यालय ने कहा है कि कोलकाता में हल्की बारिश और गरज के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। हावड़ा, हुगली, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, बांकुड़ा और पूर्वी बर्धमान में भी इसी तरह के मौसम का पूर्वानुमान है। विभाग के अनुसार, नदिया, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, बीरभूम, पुरुलिया और झाड़ग्राम जैसे जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी बंगाल में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। केरल में भी कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच आईएमडी ने पथनमथिट्टा और अलप्पुझा जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड समेत कई जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूस्खलन और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। लोगों को नदियों, जलाशयों और पहाड़ी इलाकों से दूर रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह भी दी गई है।

रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 18 मई को खुलेंगे

चमोली (उत्तराखंड): पंच केदार तीर्थयात्रा सर्किट का हिस्सा श्री रुद्रनाथ मंदिर के कपाट सोमवार को ग्रीष्म काल के लिए खुल जाएंगे। परंपरागत रीति-रिवाजों का पालन करते हुए, रविवार को देवता की डोली गोपीनाथ मंदिर से रवाना हुई। सैकड़ों श्रद्धालु देवता के दर्शन करने और देव डोली को विदाई देने के लिए एकत्रित हुए। उत्तराखंड के चमोली जिले के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी समारोह में उपस्थित थे। यह यात्रा रविवार रात ल्वीती खारक में रुकेगी और सोमवार को रुद्रनाथ मंदिर पहुंचेगी। रुद्रनाथ मंदिर समुद्र तल से लगभग 3,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह गोपेश्वर में गोपीनाथ मंदिर से लगभग 25 किलोमीटर दूर है। श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए 18 किलोमीटर की कठिन और खड़ी चढ़ाई करनी पड़ती है।

भारत बना नेस्ले की किटकैट के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

नयी दिल्ली : स्विट्ज़रलैंड की खाद्य एवं कन्फेक्शनरी कंपनी नेस्ले के लोकप्रिय चॉकलेट- ब्रांड किटकैट के लिए भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कंपनी के अनुसार, मजबूत उपभोक्ता पहुंच, उत्पाद नवाचार और आक्रामक विपणन निवेश के कारण भारत ने यह उपलब्धि हासिल की है। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने हाल ही में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''भारत अब किटकैट के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है और पिछले कुछ वर्षों में ब्रांड की बाजार हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है।'' कंपनी के अनुसार, भारत पिछले दो से तीन साल से इस ब्रांड का दूसरा सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन अब यह पहले स्थान पर पहुंच गया है। तिवारी ने यह भी बताया कि किटकैट अब नेस्ले के पोर्टफोलियो में मैगी के बाद दूसरा ऐसा ब्रांड बन गया है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार हासिल कर चुका है। कंपनी के मुताबिक, करीब 10 साल पहले भारत किटकैट के लिए वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान पर था।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच अप्रैल में रत्न एवं आभूषण निर्यात 9.07 प्रतिशत घटा

मुंबई : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अप्रैल में भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात में 9.07 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और घटकर 222.64 करोड़ अमेरिकी डॉलर (20,825.01 करोड़ रुपये) रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने यह जानकारी दी। वर्ष 2025 के इसी महीने में कुल निर्यात 244.85 करोड़ अमेरिकी डॉलर (20,952.26 करोड़ रुपये) रहा था। जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने पीटीआई-भाषा को बताया, निर्यात में गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष है, जिससे वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी असर पड़ा है, क्योंकि शुल्क को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 19.65 प्रतिशत घटकर 89.09 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 110.87 करोड़ डॉलर था।

उत्तरी अमेरिका, उत्तर-पूर्व एशिया, लातिनी अमेरिका का भारत के निर्यात में हिस्सा बढ़कर 35 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली : भारत के माल निर्यात में अब पारंपरिक बाजारों के साथ-साथ नए क्षेत्रों की हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष (2025-26) में उत्तरी अमेरिका, उत्तर-पूर्व एशिया और लातिनी अमेरिका का भारत के कुल माल निर्यात में 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रहा। इस दौरान देश का कुल माल निर्यात 441.78 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक, पूर्वी अफ्रीका को भारत का निर्यात 13.7 प्रतिशत बढ़कर 12.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो कुल निर्यात का 2.9 प्रतिशत है। वहीं उत्तरी अफ्रीका को निर्यात 14.8 प्रतिशत बढ़कर आठ अरब डॉलर हो गया और इसकी हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत रही। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि वैश्विक व्यापार में व्यवधानों के बावजूद भारत के निर्यात में भौगोलिक विविधता बढ़ी है और एशिया, अफ्रीका तथा

लातिनी अमेरिका में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। उत्तरी अमेरिका अब भी भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना हुआ है। इस क्षेत्र को भारत का निर्यात 97.7 अरब डॉलर रहा, जो कुल निर्यात का 22.1 प्रतिशत बैठता है। इसमें सालाना वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत रही, जिसे स्थिर और परिपक्व मांग का संकेत माना जा रहा है। सबसे तेज वृद्धि उत्तर-पूर्व एशिया में दर्ज की गई। इस क्षेत्र को भारत का निर्यात 21.6 प्रतिशत बढ़कर 41.6 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई। इस क्षेत्र में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और औद्योगिक सामान की मांग बढ़ी है। उत्तर-पूर्व एशिया में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, मंगोलिया और ताइवान जैसे देश शामिल हैं, जिनकी विनिर्माण क्षमता काफी विकसित मानी जाती है। लातिनी अमेरिका में भी भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि देखने को मिली। इस क्षेत्र को निर्यात 7.8 प्रतिशत बढ़कर 16.4 अरब डॉलर हो गया, जो कुल निर्यात का 3.7 प्रतिशत है। इसके अलावा पश्चिम अफ्रीका और अन्य पश्चिम एशियाई देशों में भारत के निर्यात की हिस्सेदारी क्रमशः लगभग तीन प्रतिशत और दो प्रतिशत के आसपास स्थिर रही। वहीं मध्य अफ्रीका और मध्य एशियाई देशों जैसे छोटे बाजारों में भी दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, इनका आधार अपेक्षाकृत छोटा है। खास बात यह है कि भारत के उत्पादों के निर्यात में विविधता बढ़ी है। भारतीय निर्यातकों ने 1,821 नए प्रमुख उत्पादों के साथ नए वैश्विक बाजारों में प्रवेश किया। अधिकारी के अनुसार, भारत अब केवल पारंपरिक वस्तुओं तक सीमित नहीं रहकर उच्च मूल्य वाले विनिर्माण, इंजीनियरिंग, कृषि-प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी आधारित क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है।

डेयरी क्षेत्र की तेज वृद्धि से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है: शाह

गांधीनगर : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि डेयरी क्षेत्र के व्यापक विस्तार से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' से दुग्ध उत्पादकों की आय में और वृद्धि होगी। शाह गांधीनगर जिले के दशीला गांव में स्थित मधुर डेयरी के अत्याधुनिक दूध प्रसंस्करण और पैकेजिंग संयंत्र का उद्घाटन करने के लिए यहां आए थे। यह डेयरी अमूल ब्रांड के तहत गुजरात सहकारी दुग्ध वितरण संघ (जीसीएमएमएफ) से संबद्ध है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र की प्रगति का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है। शाह ने कहा, चार समितियों, 6,000 लीटर दूध और मात्र 7,000 रुपये के कारोबार से शुरू हुई यह यात्रा आज सात लाख करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंच चुकी है। यह हमारी सहकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इस पहल से पशुपालकों की आय बढ़ी है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि महिलाओं का सशक्तीकरण है। शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र से महिलाओं के जीवन में गहरा बदलाव आया है और 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 10 वर्षों में देश के दुग्ध उत्पादन को तीन गुना करने की रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि अमूल और गुजरात के पूरे डेयरी उद्योग ने वैश्विक प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक अपनाकर पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अमेरिकी परमाणु उद्योग के 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का इस सप्ताह भारत दौरा

नयी दिल्ली : अमेरिकी परमाणु उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत का दौरा करेगा। यह दौरा भारत द्वारा परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के बाद संभावित सहयोग के अवसरों की तलाश के उद्देश्य से हो रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल 18 से 21 मई तक नई दिल्ली और मुंबई का दौरा करेगा। इस दौरान टीम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के प्रतिनिधियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने कहा, इस दौरे का उद्देश्य यह समझना है कि अमेरिकी और भारतीय कंपनियां परियोजना विकास को समर्थन देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारी बनाने के लिए किस प्रकार आगे सहयोग कर सकती हैं। प्रतिनिधिमंडल राज्य सरकारों से यह भी समझेगा कि वे अपने राज्यों की परमाणु परियोजनाओं को किस तरह समर्थन दे सकते हैं और स्थानीय स्तर पर विनिर्माण साझेदारियां कैसे विकसित की जा सकती हैं। यह प्रतिनिधिमंडल उन सरकारी अधिकारियों और निजी क्षेत्र के दिग्गजों के साथ बातचीत करेंगे, जो पिछले साल दिसंबर में लागू हुए 'सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) कानून' के बाद से असैन्य परमाणु क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों को तलाशने के इच्छुक हैं। यह अमेरिकी परमाणु उद्योग प्रतिनिधिमंडल यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम और न्यूक्लियर एनर्जी इंस्टीट्यूट की पहल के तहत भारत आ रहा है।

दिल्ली सरकार महिलाओं की अगुवाई वाले स्टार्टअप को बिना गारंटी 10 करोड़ रुपये तक का कर्ज देगी

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की अगुवाई वाले स्टार्टअप और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 10 करोड़ रुपये तक का बिना गारंटी का कर्ज उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा बनाए गए स्वदेशी उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने के लिए शहर के मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी विशेष मंच उपलब्ध कराए जाएंगे। गुप्ता ने बयान में कहा, राजधानी की महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ रुपये तक के बिना किसी गारंटी के ऋण की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कर्ज के लिए दिल्ली सरकार स्वयं गारंटी देगी। उन्होंने शनिवार को रोहिणी में आयोजित दो दिवसीय 'मेगा स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) मेला-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'एक जिला, एक उत्पाद' की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि एसएचजी मेला महिलाओं द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उन्हें व्यापक बाजार से जोड़ने का एक प्रयास है। इस मेले में करीब 24 स्वयं सहायता समूहों ने हिस्सा लिया। मेले में हस्तशिल्प, क्रोशिया कार्य, खादी, घरेलू उत्पाद, खाद्य सामग्री और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की गई।

हंबनटोटा बंदरगाह के निकट रणनीतिक हवाई अड्डे को पट्टे पर देने की श्रीलंका की योजना पर भारत की नजर

नयी दिल्ली : भारत, चीन के नियंत्रण वाले हंबनटोटा बंदरगाह के निकट स्थित श्रीलंका के एक हवाई अड्डे के संचालन में विदेशी निवेशकों को हिस्सेदारी देने की योजना पर करीबी नजर रखे हुए है। मामले से परिचित लोगों ने रविवार को यह जानकारी दी। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि यह कदम हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है। श्रीलंका सरकार ने हंबनटोटा स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआरआईए) के संचालन और विकास के लिए 30-वर्षीय निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (बीओटी) मॉडल के तहत घरेलू और विदेशी निवेशकों से नौ जून तक अभिरुचि-पत्र आमंत्रित किए हैं। चीन ने 2017 में सामरिक महत्व वाले हंबनटोटा बंदरगाह का नियंत्रण 99-वर्ष के पट्टे पर हासिल किया था। इस घटनाक्रम ने इस बड़े पारगमन केंद्र की स्थिति को देखते हुए नयी दिल्ली की चिंताएं बढ़ा दी थीं। पिछले वर्ष अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिशें तेज हुई हैं। ऐसे में भारत इस नए अवसर पर विशेष नजर रखे हुए है। कोलंबो से लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित मट्टाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपने शुरुआती दशक में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाया।

कार्यान्वयन चुनोतियों की वजह से सीमेंट क्षेत्र में निवेश प्रभावित हुआ : करण अदाणी

नयी दिल्ली : देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी विस्तार परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी स्वीकार करते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) 'मध्यम' स्तर पर रहेगा। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह लगभग 7,500 करोड़ रुपये था। कंपनी के निदेशक करण अदाणी ने तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों के साथ हुई बातचीत में कहा कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के कार्यान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है। इसके पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याएं, मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाएं प्रमुख कारण रहीं। उन्होंने कहा कि कंपनी फिलहाल 'रुककर सुधार' की रणनीति अपना रही है और नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करना चाहती है। अदाणी ने माना कि कुछ मामलों में सही ठेकेदारों का चयन नहीं हो पाया, जिससे परियोजनाओं की गति प्रभावित हुई। अदाणी ने कहा कि एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद समूह के पास तैयार परियोजना निष्पादन टीम नहीं थी। ऐसी टीम तैयार करने और आंतरिक क्षमताएं विकसित करने में समय लगा। उन्होंने यह भी बताया कि कई परियोजनाएं पूरी इंजीनियरिंग योजना तैयार होने से पहले ही शुरू कर दी गई थीं। अब कंपनी ने निर्णय लिया है कि नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा।

भारती लाइफ इंश्योरेंस में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,500 करोड़ रुपये में प्राप्त करेगी प्रूडेंशियल

नयी दिल्ली : ब्रिटेन की बीमा कंपनी प्रूडेंशियल पीएलसी भारती लाइफ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और '360 वन एसेट मैनेजमेंट' से भारती लाइफ इंश्योरेंस में 75 प्रतिशत की बहुलांश हिस्सेदारी 3,500 करोड़ रुपये में प्राप्त करेगी। प्रूडेंशियल पीएलसी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि यह सौदा पूरा होने पर किया जाने वाला प्रारंभिक नकद भुगतान होगा। साथ ही, कुछ शर्तें पूरी होने पर 700 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त राशि का भुगतान भी किया जा सकता है। वर्तमान में प्रूडेंशियल आईसीआईसीआई बैंक के साथ जीवन बीमा उद्यम में लगभग 22 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ साझेदार है। भारती लाइफ इंश्योरेंस में बहुलांश हिस्सेदारी की घोषणा के बाद, प्रूडेंशियल को नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए मौजूदा उद्यम में अपनी हिस्सेदारी को कम करना होगा। कंपनी ने कहा, इस सौदे का वित्तपोषण मौजूदा संसाधनों से किया जाएगा। इस सौदे से समय के साथ प्रूडेंशियल को ठोस रणनीतिक और वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। इस सौदे के लिए नियामक मंजूरी मिलने के बाद और विवरण प्रदान किए जाएंगे।

वेंकटेश और कोहली के अर्धशतक से पंजाब को हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्ले ऑफ में

धर्मशाला : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने वेंकटेश अय्यर और कोहली के शानदार अर्धशतकों की बदौलत रविवार को झींपिक्षरल पंजाब को 23 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग प्लेऑफ में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। लगातार तीसरी जीत के साथ बेंगलुरु के 13 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर बनी हुई है।पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने चार विकेट पर 222 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने 40 गेंद में नाबाद 73 रन की पारी खेली, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल रहे। कोहली ने 37 गेंद में 58 रन बनाए। देवदत्त

पडिक्कल ने 45 और टिम डेविड ने 28 रन का योगदान दिया। कोहली और पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 76 रन जोड़े, जबकि कोहली और वेंकटेश के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। पंजाब की ओर से हरप्रीत बरार ने दो विकेट लिए।223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 19 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। शशांक सिंह ने 27 गेंद में 56 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि मार्कस स्टोइनिस ने 37 रन बनाए। दोनों ने छठे विकेट के लिए 67 रन जोड़े, लेकिन टीम आठ विकेट पर 199 रन ही बना सकी। कूपर कोनोली ने 37 और सूर्यांश शेडगे ने 35 रन बनाए।बेंगलुरु के लिए रसिक सलाम ने तीन विकेट झटके, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट हासिल किए।

टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़े होना निराशाजनक है: पंजाब किंग्स के कोच होप्स

धर्मशाला : पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने कहा कि रविवार को यहां श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम के लगातार छठी हार के बाद आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के करीब पहुंचना 'निराशाजनक' है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को यहां पंजाब किंग्स को 23 रन से हराया और गत चैंपियन टीम मौजूदा सत्र में प्ले ऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होप्स ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह निराशाजनक है। अब हम बाहर होने की कगार पर खड़े हैं। अब भी उम्मीद है लेकिन हमें चीजों को बदलना होगा।

सात्विक-चिराग ने चार चैंपियनशिप प्वाइंट बचाए, थाईलैंड ओपन में उपविजेता रहे

बैंकॉक : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में चार चैंपियनशिप प्वाइंट बचाए लेकिन आखिर में उन्हें थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग को इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट तक चले मैच में 12-21 23-25 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग ने यहां 2019 और 2024 में खिताब जीता था। वे पहले गेम में लय से बाहर दिखे लेकिन दूसरे गेम में दबाव में अपनी मानसिक दृढ़ता का परिचय देते हुए मैच को निर्णायक गेम तक ले जाने के करीब पहुंच गए थे। यह भारतीय जोड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन में भी उपविजेता रही थी। यह सात्विक और चिराग के खिलाफ इंडोनेशियाई जोड़ी की पहली जीत भी है। इससे पहले इन दोनों जोड़ियों के बीच खेले गए सभी चार मैच भारतीय जोड़ी ने जीते थे। चिराग को शुरुआत में अपनी सर्विस में संघर्ष करना पड़ा, जिससे भारतीय टीम 1-4 से पिछड़ गई और फिर स्कोर 7-9 हो गया। इसके बाद लियो और डेनियल ने चार अंकों की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों की गलतियों का फायदा उठाकर इंडोनेशिया की जोड़ी 17-12 से आगे हो गई। इसके बाद उसे आठ गेम प्वाइंट मिले। सात्विक ने एक रिटर्न को नेट में उलझा दिया जिससे लियो और डेनियल ने पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। डेनियल के आक्रामक स्मैश से इंडोनेशियाई टीम 5-3 से आगे हो गई। एक शानदार सर्व की बदौलत भारतीय टीम 5-5 की बराबरी पर वापसी करने में कामयाब रही और इसके बाद उसने 7-5 से मैच में पहली बार बढ़त बना ली। इंडोनेशियाई टीम ने स्कोर 9-9 से बराबर कर लिया, लेकिन चिराग के एक शानदार शॉट और विरोधी खिलाड़ियों के एक गलत रिटर्न ने भारतीय जोड़ी को इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त दिला दी।

बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पंत से वापस ली जा सकती है टेस्ट टीम की उप कप्तानी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय चयनकर्ता जब अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम चुनने के लिए मंगलवार को गुवाहाटी में बैठक करेंगे तो भारतीय टीम में हैरान करने वाले नाम नहीं होंगे लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में उप कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत के भविष्य पर गंभीर चर्चा हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि यह भावना बढ़ रही है कि 28 साल के इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज को नेतृत्वकर्ता की भूमिका रास नहीं आ रही है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ दो सत्र से ऐसे ही संकेत मिलते हैं। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले नवंबर में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में जब पंत को कप्तानी सौंपी गई थी तो वह रणनीतिक तौर पर बहुत चतुर नहीं थे। भारतीय

क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''भारतीय क्रिकेट ऋषभ जैसे बल्ले से मैच विजेता को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच जिताए हैं। जो लोग मायने रखते हैं उनमें यह भावना बढ़ रही है कि जब भी उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई तो उन्होंने बल्लेबाजी करते समय अच्छे फैसले नहीं लिए।''

स्टार्क के चार विकेट के दम पर रॉयल्स को हराकर दिल्ली ने प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी

नयी दिल्ली : दिल्ली कैपिटल्स ने मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी और आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल व आशुतोष शर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर रविवार को राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर आईपीएल प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को अंतिम दो ओवर में 19 रन चाहिए थे। आशुतोष शर्मा ने 19वें ओवर में छक्का लगाने के बाद आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का जड़कर टीम को जीत दिला दी। अक्षर पटेल 18 गेंद में 34 और आशुतोष पांच गेंद में 18 रन बनाकर नाबाद लौटे।इस जीत के बाद दिल्ली 13 मैचों में 12 अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि राजस्थान 12 अंक के साथ छठे स्थान पर खिसक गया।इससे पहले राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी (46), ध्रुव जुरेल

(53) और कप्तान रियान पराग (51) की पारियों की मदद से मजबूत शुरुआत की थी। एक समय टीम का स्कोर 14 ओवर में दो विकेट पर 160 रन था, लेकिन स्टार्क ने 15वें ओवर में लगातार विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। राजस्थान की टीम आठ विकेट पर 193 रन ही बना सकी।स्टार्क ने चार ओवर में 40 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि लुंगी एंगिडि और माधव तिवारी ने दो-दो विकेट चटकाए। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 56 और अभिषेक पोरेल ने 50 रन की अहम पारी खेली।

ग्रीन ने स्वीकार किया केकेआर को सही संयोजन तैयार करने में काफी समय लग गया

कोलकाता : ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने स्वीकार किया है कि तीन बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सही संयोजन तैयार करने में काफी समय लग गया लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा है। केकेआर ने शनिवार को यहां खेले गए मैच में दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस को हराकर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा है। इसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी लेकिन पिछले कुछ मैच में उसने शानदार प्रदर्शन किया है। ग्रीन ने जिओहॉटस्टार से कहा, ''टीम के अंदर किसी तरह की बेचैनी नहीं थी। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की सही भूमिका और बल्लेबाजी क्रम में उनके स्थान को तय करने में कुछ ज्यादा ही समय लग गया।''

चेन्नई बनाम हैदराबाद: बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम के पास होगा मौका

चेन्नई : अब तक अधिकतर मैचों में अपने बल्लेबाजों के दम पर जीत हासिल करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होगी तो बल्लेबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम की जीत की संभावना अधिक रहेगी। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए इन दोनों टीम के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है। हैदराबाद हालांकि चेन्नई की तुलना में बेहतर स्थिति में है। उसके 12 मैच में 14 अंक है और अभी वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। चेन्नई की टीम के 12 मैच में 12 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। जैसे कि उसके बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा था, उनके लिए अब बाकी बचे दोनों मैच फाइनल जैसे हो गए हैं। चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अब तक जब भी अच्छा प्रदर्शन किया तब टीम को जीत मिली। ऐसे में उसकी संभावना बरकरार रखने के लिए संजू सैमसन, रुतुराज गायकवाड, उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में इनमें से केवल कार्तिक ने ही अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके अलावा शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में आक्रामक पारी खेली थी लेकिन उसके गेंदबाज 188 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए थे। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इससे पहले अपनी विकेट लेने की योग्यता का अच्छा नमूना पेश किया था लेकिन पिछले मैच में उन्होंने केवल 2.4 ओवर में 63 रन लुटा दिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 23.62 रहा जो टी20 क्रिकेट में कम से कम 15 गेंद करने वाले गेंदबाज का सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्हें शीघ्र अपनी लय हासिल करनी होगी।

वर्ष 11, पूर्णांक 3595 अंक 061 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in